RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

अंदोलन नहीं अखबार

जयपुर
गुरुवार
05/सितम्बर/2024

वर्ष: 10: अंक: 138

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

दूरभाष: 01482: 455184: पृष्ठ: 08: मूल्य: 1.50 रुपए

मारवाड़ में जल जंजाल: रेल ट्रैक बहा, बूंदी में हाईवे बंद

मारवाड़ में जल जंजाल: रेलवे ट्रैक बहा, हाईवे बंद, पुल टूटा

द पुलिस पोस्ट

जोधपुर(निसं.)। राजस्थान में एक बार फिर से मानसून सक्रिय हो गया है। बीते 2 दिनों से राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी है। मूसलाधार बारिश के कारण तालाब सड़कें जलमग्न हो गईं हैं। यहीं नहीं कई गांवों का संपर्क कट गया है। जोधपुर में तो भारी बारिश के चलते रेलवे ट्रैक बह गया, जिससे गई ट्रेनें प्रभावित हो गईं। उधर लगातार पानी की आवक के चलते राज्य के सबसे बड़े डैम के 4 गेट खोलने पड़ गए। मौसम विभाग ने राजस्थान के कई हिस्सों में अगले 4-5 दिन मानसून सक्रिय रहने की संभावना जताई है।

अगले 4-5 दिन भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में मेघगर्जन के साथ मूसलाधार बारिश दर्ज की गई। राज्य में बीते 24 घंटे के दौरान उदयपुर के ऋषभदेव में सबसे ज्यादा 167 मिमी बारिश हुई है। बुधवार को जोधपुर, उदयपुर, कोटा, जयपुर और बीकानेर समेत कई जिलों में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वी राजस्थान के अधिकांश भागों में अगले 4-5 दिन मानसून सक्रिय रहने और कहीं-कहीं भारी बारिश की गतिविधियां रहने की संभावना है।

बारिश के कारण रेलवे ट्रैक बहा

जोधपुर में सुबह 3 घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद में चलते रेलवे पटरी के नीचे से गिट्टी निकल कर बह गई। जैसलमेर काठगोदाम रेल सेवा को परिवर्तित मार्ग से चलाया जा रहा है। इसके अलावा जोधपुर आशापुरा गोमट जोधपुर रामदेवरा मेला स्पेशल अप एंड डाउन और जोधपुर जैसलमेर डेमो ट्रेन भी बारिश के चलते रद्द कर दी गई है। वहीं, उदयपुर में पानी की तेज आवक के चलते मोरवानिया के नजदीक पुलिया टूट गई, जबकि लगातार हो रही बारिश के कारण नेशनल हाईवे 48 पर पानी भर जाने से जाम लग गया। पानी में फंसी गाड़ियों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया।

बूंदी में स्टेट हाईवे बंद

बूंदी में बारिश के चलते हालत खराब हो गए। जिले में पिछले 24 घंटे के भीतर 9 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है। गुढ़ा बांध के गेट खोले जाने से मेज नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जयपुर नैनवां मार्ग पर खटकड़ पुलिया पर 2 फीट पानी आ जाने के चलते मार्ग को बंद करना पड़ा। इसी तरह नैनवा इलाके में कनक सागर बांध ओवरफ्लो होने के कारण गांव में कनक सागर का पानी गावों में घुस गया और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। नमांना क्षेत्र के श्यामू गांव में भारी बारिश के चलते नदी की पुलिया पर 4 फीट पानी आ गया। रास्ता बाधित हो जाने से 12 से अधिक गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क कर गया। ग्रामीण जाखिम में डालकर रास्ते को पार करते हुए नजर आए।

न्यूज इनबॉक्स

पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया कांग्रेस से लड़ सकते हैं चुनाव!

द पुलिस पोस्ट

चंडीगढ(एजेंसी.)। पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया की बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से हुई मुलाकात के बाद प्रदेश की सियासत गर्मा गई है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि विधानसभा चुनाव में ये दोनों पहलवान, कांग्रेस पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। विनेश फोगाट के लिए संभावित सीट, 'दादरी' बताई जा रही है। हालांकि अभी तक इस सीट पर कांग्रेस ने प्रत्याशी घोषित नहीं किया है, लेकिन भाजपा ने यहां पर सुनील सांगवान को अपना उम्मीदवार बनाया है। विनेश फोगाट की संभावित सीट पर 'जेलर' यानी सुनील सांगवान को लेकर कांग्रेस पार्टी 'खफा' हो गई है। कांग्रेस पार्टी की नेता सुप्रिया श्रीनेत ने 'एक्स' पर लिखा 'कौन इतना नादान है जो इस खबर से हैरान हैं?'। उन्होंने अपनी पोस्ट में दादरी सीट से भाजपा प्रत्याशी सुनील सांगवान और एक 'बाबा' का जिक्र भी कर दिया। इसके बाद प्रदेश की सियासत में यह चर्चा होने लगी कि क्या वह 'बाबा', चुनावी दंगल में नए भाजपाई व पूर्व जेलर को बचा सकेंगे। बता दें कि विधानसभा चुनाव में 'चरखी दादरी' हॉट सीट मानी जा रही है। ये अलग बात है कि अभी यहां से कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार का नाम सामने नहीं आया है।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मस्जिद पक्ष

द पुलिस पोस्ट

मथुरा(निसं.)।। मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह विवाद से संबंधित 18 मामलों को सुनवाई योग्य मानने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ मस्जिद पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मस्जिद पक्ष ने मामलों को सुनवाई योग्य मानने की मंदिर पक्ष की दलीलों को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। लेकिन, हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। हाई कोर्ट के एक अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका शाही मस्जिद ईदगाह की प्रबंधन ट्रस्ट समिति द्वारा अधिवक्ता आरएचए सिकंदर के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है। सिकंदर ने कहा कि याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है। गौरतलब है कि एक अगस्त को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मथुरा में मंदिर-मस्जिद विवाद से संबंधित 18 मामलों की पोषणीयता को चुनौती देने वाली याचिका को

भजनलाल कैबिनेट ने लिए महत्वपूर्ण निर्णय

पुलिस-फोर्स में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण, विशेष योग्यजन बच्चों को पेंशन लाभ

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पुलिस फोर्स में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की मंजूरी, विशेष योग्य बच्चों को पेंशन लाभ और 3,150 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना जैसे फैसले किए गए। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा और विधि व न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता के माध्यम से इन निर्णयों की जानकारी दी।

महिलाओं को पुलिस बल में 33% आरक्षण

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 में संशोधन कर पुलिस बल में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की मंजूरी दी गई है। इस निर्णय से महिलाओं के रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पुलिस बल में उनकी भागीदारी सुनिश्चित होगी। साथ ही, महिलाओं से जुड़े मामलों में पुलिस अधिक संवेदनशीलता से कार्य कर सकेगी।

विशेष योग्य बच्चों को मिलेगा पेंशन लाभ

कैबिनेट ने पेंशन नियमों में संशोधन करते हुए राज्य सरकार के कार्मिकों की सेवानिवृत्ति के बाद विशेष योग्य बच्चों, आश्रित माता-पिता और विशेष योग्य भाई-बहनों को पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पीपीओ) में जोड़ने का प्रावधान किया है। इसके लिए राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम, 1996 में संशोधन की मंजूरी दी गई है। इससे सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि होगी।

पेंशनर्स को मिलेगा अतिरिक्त भत्ता

कैबिनेट ने 70 से 75 वर्ष की आयु वाले पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स को 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता देने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से वृद्धजनों को आर्थिक रूप से राहत मिलेगी।

सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना

राज्य में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए 3,150 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। जैसलमेर के रामगढ़ में 3,000 मेगावाट और फतेहगढ़ में 150 मेगावाट की परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन किया जाएगा। यह परियोजनाएं राज्य के विकास में योगदान देंगी और रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगी।

खिलाड़ियों के लिए आरक्षण में संशोधन

उत्कृष्ट खिलाड़ियों की नियुक्ति के संबंध में नियमों में दो नई सेवाओं को शामिल किया गया है। इससे खिलाड़ियों को राज्य की अधीन सेवाओं में नियुक्ति के अवसर बढ़ेंगे। इन फैसलों से राज्य में महिला सशक्तिकरण, विशेष योग्यजनों और वृद्धजनों के कल्याण के साथ-साथ सौर ऊर्जा और खेलों के क्षेत्र में भी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

वन स्टेट वन इलेक्शन लागू करने की कवायद में जुटी सरकार, बनाएंगी कमेटियां

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कांस.)। राजस्थान में वन स्टेट-वन इलेक्शन को लागू करने के लिए भजनलाल सरकार एक्शन मोड़ में आ गई है। इसके लिए सरकार कमेटियों का गठन करने जा रही है। ये कमेटियां जल्द से जल्द प्रदेश में वन स्टेट-वन इलेक्शन की संभावनाओं को तलाश कर सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी। माना जा रहा है कि इसके लिए कैबिनेट सब कमेटियां बनाई जाएगी, जो अलग-अलग मुद्दों पर सरकार को रिपोर्ट देगी।

विधानसभा का विशेष सत्र बुला सकती सरकार

यह भी माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार एक्ट में बदलाव के लिए जरूरी कदम उठा सकती है। सरकार इस बदलाव के लिए ऑर्डिनेंस भी ला सकती है या फिर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर बिल पारित कर सकती है। हालांकि इस संबंध में अभी निर्णय लिया जाना बाकी है। राजस्थान सरकार की मंशा प्रदेश में 291 निकाय, 7 हजार पंचायतों में एक साथ चुनाव करवाने की है। सब कमेटी एक साथ चुनाव में आने वाली बाधाओं का अध्ययन करेगी, कानूनी बाधाओं को दूर करने के लिए कानूनविदों से रायशुमारी कर इसके अपनी अनुशंसा करेगी।

अभी टाले जा सकते हैं निकाय-पंचायत चुनाव

ऐसे में माना जा रहा है कि फिलहाल नवंबर में होने वाले नगरीय निकाय और पंचायतों के चुनाव टाले जा सकते हैं। खासतौर पर ब्यावर, पुष्कर, नसीराबाद, टोंक, डीडवाना, मकराना, बीकानेर, चूरू, राजगढ़, श्रीगंगानगर, सूरतगढ़, हनुमानगढ़, अलवर, भिवाड़ी, थानागाजी, महुआ, सीकर, नीमकाथाना, खाटूश्यामजी, झुंझुनूं, बिसाऊ, पिलानी, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर नगरपरिषद, बालोतरा, सिरोही, माउंटआबू, पिण्डवाड़ा, शिवगंज, पाली, सुमेरपुर, जालोर, भीनमाल, कैथून, सांगोद, छबड़ा, मांगरोल, भरतपुर, रूपवास, उदयपुर, कानोड़, बांसवाड़ा, प्रतापपुरी गढ़ी, चितौड़गढ़, निम्बाहेड़ा, रावतभाटा, राजसमंद और आमेट में सहित 49 निकायों में इस नवंबर में बोर्ड कार्यकाल खत्म हो जाएगा। ऐसे में सरकार यहां की जिम्मेदारी प्रशासन को सौंप का कार्यकाल को आगे बढ़ा सकती है।

उप चुनावों में आरएलपी और बीएपी से गठबंधन नहीं करेगी कांग्रेस!

द पुलिस पोस्ट

सागवाड़ा(निसं.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने डूंगरपुर दौरे के दौरान सागवाड़ा में पत्रकार वार्ता की। इस दौरान डोटासरा ने कहा कि उपचुनाव में कांग्रेस प्रदेश की सभी 6 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। ऐसे में यह साफ़ दिख रहा है कि कांग्रेस हनुमान बेनीवाल और भारत आदिवासी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। हालांकि गठबंधन के फैसले पर उन्होंने टालमटोल करते हुए कहा कि इसका फैसला कांग्रेस हाईकमान करेगा। गोविंद सिंह डोटासरा डूंगरपुर जिले के दो दिवसीय दौरे पर रहे। दौरे के दूसरे दिन पीसीसी चीफ गोविंद सिंह ने सागवाड़ा में पत्रकार वार्ता करते हुए उपचुनाव को लेकर कांग्रेस की तैयारियों की जानकारी देने के साथ भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। डोटासरा ने कहा कि उपचुनाव को लेकर संबंधित जिलों में जाकर कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में कांग्रेस सभी 6 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि गठबंधन का फैसला आलाकमान करेगा। इस मौके पर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार के 9 माह के कार्यकाल को फ्लॉप बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ब्यूरोक्रेसी काम नहीं कर रही है. जनता के काम नहीं हो रहे हैं. विधायकों से को कोई पूछ नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध और महंगाई कम

नहीं हो रही है और अतिवृष्टि से फसलें खराब हो रही हैं, लेकिन पूछने वाला कोई नहीं है। डोटासरा ने पेपर लीक प्रकरण पर कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। ऐसे लोगों पर सख्ती से कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक माफियाओं को जड़ से ख़त्म करने के लिए भाजपा सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए, कांग्रेस पार्टी ऐसे कदम के साथ रहेगी। इस मौके पर डोटासरा ने पेपर लीक का गढ़ बन चुके आरपीएससी के पुनर्गठन की भी बात कही है। पत्रकार वार्ता में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदेश में शिक्षा महकमे को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा मंत्री को शिक्षा से कोई लेना देना नहीं है। भाजपा सरकार में सरकारी स्कूलों में ढाई लाख नामांकन कम हुआ है। किसी वर्ग में डीपीसी नहीं हो रही है, नई शिक्षक भर्ती को लेकर बात कोई बात नहीं कर रहा।

हरियाणा में भाजपा ने उम्मीदवारों की घोषणा कर बाजी मारी

पहली सूची में 67 नामों की घोषणा, नायब लाडवा से लड़ेंगे चुनाव

द पुलिस पोस्ट

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर बैठकों और चर्चाओं के दौर के बाद आखिरकार भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में 67 नाम शामिल हैं। भाजपा की कोर कमेटी की ओर से मंथन के बाद उम्मीदवारों के नाम का एलान हुआ है। भाजपा लंबे समय से उम्मीदवारों के चयन के लिए स्क्रीनिंग बैठकें कर रही थी। सूची में हरियाणा भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ को बादली और वरिष्ठ पार्टी नेता अनिल विज को अंबाला कैंट से मैदान में उतारा गया है।

अनिल विज अंबाला से लड़ेंगे चुनाव

जारी सूची के अनुसार, मुख्यमंत्री नायब सैनी लाडवा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। ज्ञान चंद गुप्ता पंचकूला से तो अनिल विज अंबाला कैंट से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, कंवर पाल गुर्जर जगाधरी से, सुनीता दुग्गल रतिया से चुनाव

लड़ेंगी। भव्य बिश्नोई आदमपुर से चुनाव लड़ेंगे। तेजपाल तंवर सोहना से ताल ठोकेंगे। पानीपत शहर से प्रमोद कुमार विज, घरौंदा से हरविंदर कल्याण, करनाल से जगमोहन आनंद, इसराना (सुरक्षित) से कृष्ण लाल पंवार, कैथल से लीला राम गुर्जर का नाम शामिल है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती सिंह राव अटेली से चुनाव लड़ेंगी। कैप्टन अभिमन्यु, कुलदीप बिश्नोई के बेटे भव्य बिश्नोई और पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल का नाम भी लिस्ट में है।

लंबा चला बैठकों का दौर

गौरतलब है कि उम्मीदवारों की सूची को लेकर दिल्ली में बुधवार को भी अहम बैठक हुई। यह मीटिंग जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी शामिल रहे। वहीं, केंद्रीय नेतृत्व ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को भी मीटिंग में आमंत्रित किया। जिसके कारण उन्हें अपने सभी कार्यक्रम रद करने पड़े। हालांकि, बाद में नायब सैनी का दिल्ली दौरा भी रद हो गया। केंद्रीय चुनाव समिति की मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव और मशवरे के बाद यह सूची आई। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि बुधवार को 67 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई है। हमारे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लाडवा से लड़ेंगे और सभी की सीटें तय कर दी गई है। कल से नामांकन शुरू है। सभी प्रत्याशी 5 से 12 तारीख तक के बीच में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। बाकी 22-23 सीटें और बची हुई हैं। जल्द ही 1 से 2 दिनों में दूसरी सूची जारी कर दी जाएगी।

5 अक्टूबर को होगा मतदान

ज्ञात हो कि हरियाणा विधानसभा की सभी 90 सीटों के लिए एक ही चरण में मतदान होगा। जहां पहले चुनाव की तारीख एक अक्टूबर थी। उसे बदलकर 5 अक्टूबर कर दिया गया है। वहीं विधानसभा चुनाव के नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे। हरियाणा में मौजूदा सरकार का कार्यकार 3 नवंबर 2024 को खत्म होगा। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव (2019) में भाजपा और जजपा ने एक साथ सरकार बनाई थी। बात करें पिछले विधानसभा चुनाव के नतीजों की तो पिछली बार चुनाव में भाजपा को 40, कांग्रेस को 31 और जजपा सहित अन्य दलों को 19 सीटें मिली थीं।

केजरीवाल को कोर्ट से 'सुप्रीम' राहत की उम्मीद, जमानत की याचिकाओं पर आज सुनवाई

नई दिल्ली(एजेंसीं.)।। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। याचिका में उन्होंने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ इस मामले को देखेगी। शीर्ष कोर्ट ने 23 अगस्त को सीबीआई को मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने की अनुमति दी थी और केजरीवाल को जवाब दाखिल करने के लिए दो दिन का समय दिया था। केजरीवाल ने जमानत नहीं देने और मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हुई हैं। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के पांच अगस्त के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखा गया था। आप प्रमुख को सीबीआई ने 26 जून को गिरफ्तार किया था। शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था और उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर जांच एजेंसी से जवाब मांगा था।

बाजार मे जाना ट्राफिक के बीच मे फसना गाडियाँ बीस मे सडकों पर रखकर चले जाते हैं लोग

पालिका प्रशासन की लापरवाही का नतीजा आज व्यापारी भुगत रहे है

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज शहर की मुख्य बाजार की हालत देखकर ऐसा लगता है कि यहां पर किसी प्रकार का राजस्थान सरकार का प्रभाव है ही नहीं पुलिस प्रशासन का नहीं है पालिका प्रशासन का बाजार में जहां पर देखो वहां पर मोटरसाइकिल है गाड़ियां रिक्शा पड़े रहते हैं जगह-जगह पर रख कर लोगों को जगह नहीं देते रहते हैं जिससे ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ रही है क्यों नहीं पुलिस प्रशासन के विरुद्ध कार्यवाही कर दिया जहाँ देखो वहां पर रोक कर सवारी लेकर जाते है और हर दुकान के बहार 5से 7 मोटरसाइकिल पड़ी रहती है जहां भी देखकर खाली जगह वहां पर मोटरसाइकिल की लाइन लगी

रहती है उल्टा सीधा मोटरसाइकिल रखकर कोई ट्रैफिक व्यवस्था पर ध्यान नहीं दे रहे और शहर की हर गली मे भीड लगी रहती है मुख्य बाजार महल केफे ऊपर वाला सड़क वहां पर सिर्फ बीच में होकर दो मोटरसाइकिल निकल सकती है क्योंकि लाइन लगी है वह पिछली वाली आर के काम्पलैक्स के बहार वाली सड़क यहां पर आरके काम्पलैक्स दुकानदारों की मोटरसाइकिल सड़क पर पड़ी है कोई ध्यान नहीं दे रहा है आरके काम्पलैक्स सभी सड़के भरी पडी है मोटरसाइकिल से गांधी चौक के आस पास सब जगह पर मोटरसाइकिल कि लाईन लगी हुई है वहां पर रखकर लोग चले जा रहे हैं व्यापारी लोग व्यापार करने में परेशान हो रहा है क्योंकि यह सब गलती पालिका प्रशासन की है क्योंकि इन्होंने अगर काम्पलैक्स का निर्माण हुआ उस टाइम पार्किंग की व्यवस्था का ध्यान दिया होता तो गाड़ियां पार्किंग में होती नहीं की सड़कों पर पडी रहती ऐसे भी तो शिवगंज का व्यापार खराब है उल्टा यह ट्रैफिक व्यवस्था से बाजार और खराब हो रहा है जिससे व्यापारी लोग परेशान है दुकानदार दुकान के अंदर बैठ नहीं सकते उनकी आवाजों से कोई भी ग्राहक आएगा तो उसे खुली जगह चाहिए चलने में परेशानी नहीं हो पर शिवगंज में आज सड़क रुका हुआ पड़ा है क्या कब करवाई होगी देखते हैं ट्रैफिक इंचार्ज का क्या कहना है शिवगंज बाजार में जो गाड़ियां नियमो के विपरीत खड़ी रह रही है वह लोग बीच में खड़ी रख कर जा रहे हैं बारिश कम होते ही इन सबको पाबंद करके गाड़ियां सडको से बहार मे रखी जाएगी फिर भी नहीं माने तो उनका चालान किया जाएगा और ट्रैफिक व्यवस्था हमेशा सुधारी जाएगी सदाराम मीणा ट्रैफिक इंचार्ज पुलिस थाना शिवगंज शहर के व्यापारी शंभू दास ने कहा कि अब हम बाजार में आने वाले ग्राहकों को समझाकर गाड़ियां पार्किंग मे रखी जाएगी और ट्रैफिक व्यवस्था खराब नही होने देंगे बाजार के सभी व्यापारियों ने यही निर्णय किया है कि बाजार की व्यवस्था अच्छी हो ग्राहक बाजार में आ सके शंभूदास वैष्णव ईश्वर जूस सेंटर शिवगंज

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी का परिणाम, जिला अस्पताल को इस वर्ष नहीं मिले रेजिडेंट डॉक्टर

जिला अस्पताल में चिकित्सकों की कमी, रेजिडेंट डॉक्टर भी नहीं मिलने से बिगडे हालात

जिला अस्पताल में चिकित्सकों की भारी कमी, मरीज हो रहे परेशान

गत वर्ष रविन्द्रनाथ टैगोर मेडीकल कॉलेज से मिले थे रेजीडेन्ट डॉक्टर, इस वर्ष पैथोलोजी विभाग को छोड कोई डॉक्टर नहीं मिला

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज। तत्कालीन सरकार के समय शिवगंज के सामुदायिक अस्पताल को जिला चिकित्सालय के रूप में क्रमोन्नत करने के एक साल बाद ही हालात बिगडने लगे है। वर्तमान में यह चिकित्सालय चिकित्सकों की भारी कमी झेल रहा है। जिसका असर यहां उपचार करवाने आने वाले मरीजों पर पड रहा है। हालात यह है कि जिस समय इसे जिला चिकित्सालय बनाया गया था उस समय काफी संख्या में रेजिडेंट डॉक्टर अस्पताल को उपलब्ध हुए थे, मगर इस वर्ष उदयपुर मेडीकल कॉलेज से एक भी रेजिडेंट डॉक्टर(प्रक्षिसु चिकित्सक) को नहीं लगाया गया है। दूसरा महत्वपूर्ण विभाग में जो चिकित्सक कार्य कर रहे थे,उनके तबादला करवा जाने के बाद उनकी जगह पर दूसरे चिकित्सकों की नियुक्ति नहीं हुई है। गौरतलब है कि जिला चिकित्सालय बनने के बाद यहां विभिन्न विभागों में 33 चिकित्सकों के पद सृजित किए गए थे। लेकिन वर्तमान में यहां केवल 17 चिकित्सक ही कार्य कर रहे है। ऐसे में इस

चिकित्सालय में फिजीशियन के दो पद, शिशु रोग विशेषज्ञ के दो पद, अिस्थ रोग विशेषज्ञ के दो पद, रेडियोलोजी विभाग में एक पद, ईएनटी विभाग में एक पद, पैथोलॉजी विभाग में एक पद, सर्जरी विभाग में एक पद तथा नेत्र विभाग में एक पद रिक्त चल रहा है। इतना ही नहीं अस्पताल में नर्सिंग कर्मचारियों के 55 पद स्वीकृत है इसके विपरित वर्तमान में केवल 26 पदों पर कार्मिक कार्यरत है।

इस साल नही मिले रेजिडेंट डॉक्टर

वैसे जिला अस्पताल का व्यविस्थत रूप से संचालन करने के लिए सरकार की ओर से मेडीकल कॉलेज से रेजिडेंट चिकित्सकों को कार्य पर लगाया जाता है। विगत वर्ष अस्पताल को पर्याप्त संख्या में रेजिडेंट चिकित्सक उपलब्ध हुए थे। लेकिन इस वर्ष जुलाई माह में रविन्द्रनाथ टैगोर मेडीकल कॉलेज उदयपुर की ओर से शिवगंज के अस्पताल को एक भी रेजिडेट चिकित्सक उपलब्ध नहीं करवाया गया। जबकि सांगवाडा, राजसमंद और नाथद्वारा के जिला अस्पतालों को पर्याप्त संख्या में रेजिडेट चिकित्सक उपलब्ध करवाए गए। ऐसे में शिवगंज अस्पताल की सारी व्यवस्थाएं इन 17 चिकित्सकों के भरोसे ही संचालित करनी पड रही है। इस वजह से इमरजेंसी सेवाए भी प्रभवित हो रही है। इस सेवा को संचालित करने के लिए वर्तमान में उपलब्ध चिकित्सकों को ही ड़यटी पर तैनात करना पड रहा है। जिससे ओपीडी की व्यवस्थाएं प्रभावित हो जाती है।

डायलेसिस मशीन है पर टेक्नीशियन नहीं

जिला अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों के लिए तीन डायलेसिस मशीन उपलब्ध है। मगर टेक्नीशियन नहीं होने से उसका लाभ मरीजों को नहीं मिल पा रहा है। अस्पताल में आईसीयू एवं पीआईसीयू वार्ड भी है,जहां गंभीर रोगियों को भर्ती किया जा सकता है। लेकिन इस वार्ड के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी एवं फिजीशियन सहित शिशु रोग विशेषज्ञ की कमी होने से गंभीर रोगियों को भर्ती करने में असुविधा हो रही है।

सफाई का बजट अभी भी रेफरल अस्पताल वाला

इस अस्पताल को जिला अस्पताल तो बना दिया गया मगर सफाई व्यवस्था के लिए जो बजट मिल रहा है वह आज भी रेफरल अस्पताल वाला ही मिल रहा है। चिकित्सालय प्रशासन के मुताबिक वर्तमान में अस्पताल में सफाई व्यवस्था सुचारू बनाने के लिए 40 कर्मचारियों की आवश्यकता है, मगर बजट नहीं मिलने से दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। बहरहाल, जिला अस्पताल बनाए जाने के बावजूद वर्तमान सरकार और जनप्रतिनिधियों की ओर से अस्पताल की व्यवस्थाओं की तरफ ध्यान नहीं दिए जाने से इसका खामियाजा यहां आने वाले मरीजों को ही उठाना पड रहा है।

इनका कहना है

अस्पताल में चिकित्सकों की कमी है। इस वर्ष हमें रेजिडेट डॉक्टर भी नहीं मिले है। नर्सिग स्टाफ जो उपलब्ध है उसी से कार्य चलाना पड रहा है। अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुधारने तथा जिला अस्पताल को जो बजट मिलता है वह प्रदान करवाने सहित चिकित्सकों व नर्सिग कर्मियों के पदों पर नियुक्ति के लिए हाल ही में राज्य मंत्री ओटाराम देवासी एवं सांसद लुंबाराम चौधरी से भी आग्रह किया गया है।

डॉ गोपालसिंह, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी जिला अस्पताल शिवगंज

आरटीओ इंस्पेक्टर के ठिकानों पर एसीबी की छापेमारी:

जयपुर और सिरोही समेत 6 ठिकानों पर चल रहा है सर्च; विदेश में यात्राएं की

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। सिरोही आरटीओ ऑफिस में तैनात इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह चौहान एसीबी के रडार पर है। बुधवार को उनके जयपुर और सिरोही स्थित 6 ठिकानों पर सर्च किया जा रहा है। सर्च के दौरान लाखों रुपए और विदेश यात्राओं के डॉक्युमेंट भी मिले है। वहीं सिरोही स्थित घर में ताला लगाकर एसीबी के अधिकारी सर्च कर रहे है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को ही एसीबी से मामला दर्ज किया था। एसीबी के डीजी रवि प्रकाश ने बताया कि एसीबी को कुछ दिनों पहले शिकायत मिली थी कि सिरोही में तैनात आरटीओ इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह चौहान ने भ्रष्टाचार कर बहुत प्रॉपर्टी शामिल की है। शिकायत मिलने पर इसका सत्यापन करवाया गया। सत्यापन में शिकायत सही होने पर मंगलवार को आरटीओ इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह चौहान के खिलाफ एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया। इसके बाद 6 टीमों को जयपुर और सिरोही के लिए रवाना किया गया। बुधवार सुबह से ही चौहान के जयपुर में 5 और सिरोही में 1 एक ठिकाने पर सर्च चल रहा है। बताया जा रहा है कि एसीबी को कई अहम दस्तावेज मिले है, हालांकि शाम तक स्पष्ट हो पाएगा कि सर्च में क्या-क्या सामने आया है। सर्च में जमीनों और विदेश यात्राओं के डॉक्युमेंट मिले जयपुर में बजाज नगर स्थित आवास, सीतापुरा में फैक्ट्री, अम्बाबाड़ी में कॉम्लेक्स में एसबी सर्च कर रही है। प्रारंभिक सर्च के दौरान एसीबी को डेढ़ लाख रुपए कैश मिला है। इसके अलावा टोंक में 8 बीघा जमीन और कई विदेश यात्राओं के डॉक्युमेंट भी मिले है। वहीं सिरोही में हाउसिंग बोर्ड स्थित आवास में भी एसीबी की टीम सुबह से सर्च कर रही है। दरअसल, एसीबी के पास सूचना थी की सिरोही में ड्यूटी के दौरान इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह चौहान ने गलत तरीके से पैसा कमाया है और जयपुर समेत आस-पास के इलाकों में जमीन भी खरीदी है। प्रारंभिक जानकारी में ये भी सामने आया है कि सुरेंद्र सिंह चौहान ने एक सोसायटी से बैक डेट में पट्टे भी लिए है। इसके बाद एसीबी टीम सोसायटी संचालक के यहां भी पहुंची है।

जोधपुर में बुधवार सुबह तेज बारिश:

पटरियों के नीचे से बही मिट्टी, ट्रेन का रास्ता बदला; येलो अलर्ट जारी

जोधपुर। जोधपुर में बुधवार सुबह से बारिश का दौरान शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर रखा है। सुबह जल्दी जोधपुर सहित व आस-पास के क्षेत्रों में हो ही तेज बारिश के जलभराव की स्थिती हो गई है। तिंवरी के पास तेज बहाव के चलते ओसिया व तिंवरी के बीच रेलवे लाइन पर पानी भर गया है। ऐसे में इस रास्ते से गुजरने वाला रेल यातायात प्रभावित हुआ है। जोधपुर में बारिश की बात करें तो पिछले 24 घंटे से रुक-रुक कर बारिश का दौर चल रहा है। बुधवार दिनभर भी बारिश इसी तरह से चलने वाली है। अगले दो दिनों तक क्षेत्र में बारिश इसी तरह से बरसती रहेगी। ऐसे में जिन क्षेत्रों में पानी का तेज बहाव होने की संभावना है। वहां प्रशासन ने लोगों को सावधान रहने की अपील की है। जोधपुर में मंगलवार दोपहर बाद ही बारिश का दौर शुरू हो गया था। रात को कई क्षेत्रों में बारिश के चल रही थी। सुबह कुछ समय के लिए बारिश रुकने के बाद सुबह 8 बजे से फिर से शुरू हो गई। सुबह लूणी, सालावास, काकाणी, झालामंडी, बासनी, पाटवा, तिंवरी सहित पूरे शहर में बारिश चल रही है। दो दिनों तक बारिश इसी तरह से जारी रहने का अनुमान है।

रेल यातायात हुआ बाधिक

तिंवरी व ओसिया के बीच देर रात से चल रही बारिश के बाद पानी का तेज बहाव शुरू हो गया है। ऐसे में सी-31 के पास ट्रेक के नीचे से मिट्?टी बह गई है। ऐसे में जैसलमेर-काठगोदाम एक्सप्रेस का मार्ग बदला।

अजमेर की क्षतिग्रस्त सड़कों को ठीक करवाने की मांग:

कांग्रेसियों ने रैली निकालकर किया प्रदर्शन, आंदोलन की दी चेतावनी

द पुलिस पोस्ट

अजमेर। अजमेर में कांग्रेसियों की ओर से बुधवार को रैली निकालकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कलेक्टर को ज्ञापन दिया। ज्ञापन देकर अजमेर की क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द ठीक करवाने की मांग की गई। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

जिला कांग्रेस कमेटी अजमेर उत्तर ब्लॉक बी के कांग्रेसी कार्यकर्ता बुधवार को ज्योतिबा फूले सर्किल पर इकट्ठा हुए। रैली निकालकर प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पर पहुंचे और कलेक्टर भारती दीक्षित को ज्ञापन दिया। ज्ञापन देकर बताया-अजमेर की लगभग सभी प्रमुख सड़कों की हालत खराब है। सभी जगह सड़कों की हालत खराब होने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। कचहरी रोड पर एक महिला की मृत्यु हो गई थी, उससे पूर्व एक पुरुष की भी मृत्यु हो चुकी है। सड़कों पर हो रहे गड्ढों के कारण छोटी-मोटी दुर्घटनाएं तो आम बात हो गई है।

ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल ने बताया-इसके विरोध में आज शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अजमेर उत्तर ब्लॉक बी के कार्यकताओं की ओर से रैली निकालकर प्रदर्शन किया है। प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन देकर एक सप्ताह में शहर की सड़कों को ठीक करवाने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन के चेतावनी दी गई है।

समाज में व्याप्त समस्याओं यथा सगाई पश्चात संबंधों का छूटना, विवाह उपरांत तलाक की समस्या तथा समाज की घटती जनसंख्या जैसी अनेक समस्याओं का एकमात्र निराकरण समाज के युवक और युवतियों का समय पर विवाह हो – श्री काल्या

द पुलिस पोस्ट

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री व श्री बसन्तीलाल मनोरमा देवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन के चेयरमैन श्री राजकुमार काल्या ने अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की मुंबई प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में आयोजित कार्यसमिति एव कार्यकारी मंडल बैठक में अपने उद्बोधन में समाज में व्याप्त समस्याओं और आने वाले समय में उनके निराकरण के संबंध में कहा कि समाज में व्याप्त समस्याओं यथा सगाई पश्चात संबंधों का छूटना, विवाह उपरांत तलाक की समस्या तथा समाज की घटती जनसंख्या जैसी अनेक समस्याओं का एकमात्र निराकरण समाज के युवक और युवतियों का समय पर विवाह हो, समाज के ऐसे युगल दंपति जिनका विवाह युवतियों का 21 वर्ष की आयु में और युवकों का 23 वर्ष की आयु में हो उन्हें प्रेरणा स्तंभ से सम्मानित किया जाना चाहिए। इस हेतु श्री काल्या ने अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के ट्रस्ट श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाऊंडेशन द्वारा 1 सितंबर, 2024 के पश्चात समाज के ऐसे दंपत्ति जिनका विवाह युवतियों का 21 वर्ष की आयु के अन्दर और युवकों का 23 वर्ष की आयु के अंदर होगा उन्हें ₹प्रेरणा स्तंभ₹ से अलंकृत करते हुए प्रथम 10 दंपतियों को प्रेरणा स्वरूप शगुन राशि 51000/- रुपए की एफ डी प्रदान की जाने की घोषणा की। इस घोषणा कि सभागार में उपस्थित सैकड़ो युवा साथियों और समाज बंधुओ ने प्रशंसा की। साथ ही श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाऊंडेशन₹ द्वारा लगातार समाज की खेल कला साहित्य सांस्कृतिक सामाजिक शैक्षणिक प्रतिभाओं को समय-समय पर पुरस्कृत कर सम्मानित किया जा रहा है। हाल ही में महेश नवमी के पावन पर्व पर ₹वंशोत्पति जन्म सम्मान₹ के रूप में महेश नवमी के दिन समाज में 21 संतानों ने जन्म लिया उन्हें भी ?21000 की शगुन राशि फाउंडेशन द्वारा प्रदान की गई।

भ्रष्टाचारीयों की पनपती अमर बेल शहर की सड़कें गड्ढों में परिवर्तित जिम्मेदार कार्यवाही करने से बच रहे हैं

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, शहर की नवनिर्मित सड़कों के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की किस प्रकार से भ्रष्टाचारीयों के गठजोड़ ने धज्जियां उड़ाई है इन नवनिर्मित गली मोहल्लों की सड़को को गड्ढों में समाहित होने की नजर आ रही धरातल की तस्वीर से एक अनपढ़ व्यक्ति भी सहज रूप से समझ सकता है कि सड़क निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है इतना ही नहीं जिन नवनिर्मित सड़कों पर जानलेवा गहरे गड्ढे हुए हैं उन्हीं गड्ढों को पार कर जिले के आला अधिकारी आवागमन करते हैं सरुपविलास स्थित अपने कार्यालयो में जाने आने वाले जिले के आला अधिकारी से लेकर विधायक मंत्री जिला प्रमुख प्रधान समेत आला अधिकारी जनप्रतिनिधि कलेक्ट्रेट सर्कल से आवागमन करें अथवा भाटकडा सर्कल होकर आवागमन करें चहुंओर की नवनिर्मित सड़कों पर वर्षा पूर्व गहरे घांव देने वाले पड़े गड्ढों को पार कर ही आवागमन करते हैं लेकिन इन आला अधिकारियों जनप्रतिनिधियों को भ्रष्टाचारियों की भेंट चढ़ी अमर बेल की नवनिर्मित सड़कों के गड्ढे बिखरी रेत नजर ही नहीं आ रही है क्योंकि साहब लोग तो बन्द कांच की एसी लग्जरी गाड़ियों में आवागमन करते हैं दर असल इन सड़कों के जानलेवा गड्ढों से सामना तो आम नागरिकों को करना पड़ रहा है घटिया निर्माण कार्य करने वालों को भय नहीं भ्रष्टाचारीयों की अमरबेल की हरियाली में आनंद उठाने वाले इन घटिया निर्माण कार्य करने वाले लोग को कोई किसी से भय नहीं है उन्हें पता है रिश्वत में से ही तो रिश्वत देनी है फिर भला भय किससे जनता चिल्लाती रहें आखिर जिनके उपर पारदर्शी इमानदारी से एक्शन लेने की जिम्मेदारी है उन्हें भी भ्रष्टाचार की अमर बेल की डालीं थमा देंगे!

सरकारी जमीन मे तरमीम मे बडा भष्ट्राचार हुआ उस जमीन मे कोलोनीया काटकर भूमाफिया जनता के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं कौन कारवाई करेंगा

बडगॉव जाने वाले सडक पर मास्टर प्लान सडक पर व नालों पर पलोट काटकर बेच रहे है

गुलाब कोठारी के आदेश की धजिया उडाकर जोधपुर वरिष्ठ नगर नियोजनक बडा भष्ट्राचार कर नक्शे स्वीकृत कर रहे हैं ईनके विरुद्ध कारवाई कोन करेंगा

भष्ट्राचार ब्यूरो जयपुर मे प्रकरण दर्ज भष्ट्राचारीओ के विरुद्ध कारवाई होंगी होगे पट्टे खारिज देखते है जैल कोन कोन जाएंगा

पालिका अधिकारीओ के हाथो हुऐ प्लान स्वीकृत व बनाएँ पट्टो को खारिज करावे

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में बडगॉव जाने वाले सडक पर मास्टर प्लान के विपरीत सरकार उच्च न्यायालय गुलाब कोठारी के आदेश की धजिया उडा रहे है पालिका प्रशासन व वरिष्ठ नगर नियोजक के अधिकारियों ने भष्ट्राचार की सभी सीमा तोडकर उल्टा कार्य कर रहे हैं सडक पर व नालों पर पलोट काटकर बेच रहे है पट्टे भूमाफिया नंदी के किनारे पर तरमीम कर दी फ्लोट काटकर बेच रहे है राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने पटवारीओ राजस्व निरीक्षक व नगर पालिका बाबुओं की मिली भक्ति से व अस्थाई कर्मचारीओ व पालिकाध्यक्ष व पार्षदो के रिशतेदारों (खुन का रिश्ता) वालो ने भष्ट्राचार किया है व बडगॉव के खसरा संख्या एक सौ इकतीस मे व जहां पर अच्छी जमीन वहां पर कर दिया कब्जा प्लाट काटकर बेच रहे हैं कांग्रेसी नेता शिवगंज में जहां भी जमीन देखी वहां पर नहीं छोड़ रहे है यह लोग जहाँ पर खाली जमीन पडी एक फिट भी खाली पड़ी है वहां पर भी कब्जा कर लेते हैं पालिका क्षेत्र वह बडगांव क्षेत्र के खसरा नंबर 131 में जवाई नदी के किनारे पर पडी जमीन को खाली कर वहां पर बड़े-बड़े बबुल खड़े थे उन्हें काटकर वहां प्लॉट की तैयारी कर यहां के नेता उस पर कब्जा कर रहे हैं लक्ष्मी

कीर्ति नगर कॉलोनी मे वह जवाई नदी के किनारा आता है उस जवाई नदी के किनारे पर खाली पडी जमीन जो नदी के किनारे पर है उस जमीन को खाली कर वहां पर सफाई करवा कर यह लोग लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के प्रयास में है पालिका प्रशासन की मिलीभक्ति से यह कब्जा कर रहे हैं जहां तक ज्ञात होता है कि इसमें स्थानिय नेताओं का भी हाथ शामिल हो सकते हैं क्योंकि करोड़ो रुपए की जमीन है उस जमीन को फिर बेचा जाएगा तब उनका सबका प्रतिशत फिक्स किया होगा इसलिए उस जमीन को इन्होंने सफाई करवा कर बेच रहे या बेच दी होगी पालिका में पट्टे की कार्रवाई भी करने लगे हैं क्योंकि इनका बोर्ड है वह अब उनकी सरकार भी नही है तब तक अभी काम करने में यह लोग पीछे नही रहते हैं वहां पर पत्थर रखकर पत्थर के टुकड़े डालने की भी कोशिश की जा रही है पर पालिका प्रशासन के अधिकारी चुप आंख बंद करके बैठे हैं यह जमीन जवाई नदी की है उस पर कब्जा करने में यह लोग पीछे नहीं रह रहे है एक तरफ तो इस कॉलोनी की ओपन लैण्ड पड़ी है दूसरी तरफ जो जमीन खाली पड़ी है वहां पर यह लोग कब्जा कर रहे हैं क्योंकि आज की हिसाब से वह जमीन स्क्वायर फीट के हिसाब से देखो ? 2 हजार रुपये प्रति स्क्वायर फीट के भाव से चल रहे हैं हजार फिट का ? बीस लाख बनता है यह लोग आनंन फानन में लोगों को कुछ कम पैसा करके बेच देंगे फिर लोगों के साथ धोखा होगा तो जिम्मेदारी उनकी होगी जो खरीददार होगा बेचने वाला तो खाली पैसा लेकर चला जाएगा रोते रहेंगे फिर गरीबों के साथ बड़ा धोखा होगा अगर पालिका प्रशासन ईमानदार है तो उस जमीन पर तारबंदी करवा कर रख सकती है पर यहाँ पर बोर्ड तारबंदी नहीं करेगा और इनको कब्जा करवाएगे और फिर जो बेचा जाएगा उसका पैसा बराबर में बांटा जाएगा क्योंकि यह लोग यही काम करते हैं इनके अलावा उनको वहां पर सरकारी जमीन बिलानाम जमीन जहां पर पड़ी थी लोगों ने कब्जा कर दिया या लोगों को वहां के पट्टे बनाकर दे दिया पैसा सब कुछ बोलता है उन्होंने पैसा लेकर सब काम किया है यह लोग इतने स्वार्थी है कि गरीबों के साथ कभी भी धोखा कर देते हैं इन्होंने पूर्व में भी जवाई नदी के किनारे पर एक बड़ा 1900 फीट का पट्टा बनाकर दे दिया जो जवाई नदी के बिल्कुल किनारे पर था सब पैसों के बल पर यह काम हुआ है रोकने वाला इनको कौन है जो रोकेगा क्योंकि इनका बोर्ड है यहाँ पर विपक्ष कमजोर है और यहां पर जो बैठे नेता उनको तो सिर्फ धन चाहिए चाहे कुछ भी काम कर लो धन लाकर दे दो उल्टा काम भी सिद्ध हो जाएगा यह लोग गरीबों के साथ धोखा करते रहेंगे पालिका में बैठे अधिकारी इनको सिर्फ खाने के लिए धन चाहिए फिर बाद भी यह लोग ध्यान नहीं देते हैं हो सकता है इस जमीन में इनकी भी भागीदारी फिक्स की हो इसलिए लोग कुछ कार्रवाई नहीं करते हैं उसी के पास इसी कॉलोनी की एक बड़ी ओपन लैण्ड पड़ी है उस पर तो बड़ी बिल्डिंग बन गई उस बिल्डिंग को भी आगे से आगे बेचा जाता रहा है यह लोग सरकारी जमीन पर लोग मकान बनाकर रह रहे हैं उस मकान को भी नहीं हटाती है पालिका क्योंकि यह लैण्ड उस कॉलोनी में निवास करने वाले लोगों के सुविधा के लिए आरक्षित है नहीं कि इसको बेचकर धन कमाया जा सकता है इसलिए तुरंत उनके विरुद्ध कार्रवाई कर इस जमीन पर तारबंदी करनी चाहिए पर मेरे हिसाब से करेंगे नहीं यह लोग क्योंकि यह लोग नेताओं के दबाव में सब काम करते हैं ईस जमीन के पास मे सैकडों फीट सरकारी जमीन पडी है कोन अतिक्रमण मुक्त कराएगा इनका क्या कहना है शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के ग्राम बड़गांव के पूर्व के खसरा नंबर 131 जो जवाई नदी का किनारा है उस पर कॉलोनी लक्ष्मी कीर्ति नगर जिसकी एक तरफ की ओपन लैण्ड पर बड़े मकान बना दिए गए एक तरफ खाली पड़ी ओपन लैण्ड वह उसके आगे नदी की जमीन पर इन लोगों ने कब्जा करके प्लाट काटकर बेचने के प्रयास में है या अंदर के अंदर बेच दिए होंगे पर पालिका उस जमीन पर अपनी तारबंदी नहीं करके उन लोगों को पट्टा देने के फिराक में है या पट्टे जारी भी कर दिए होंगे अंदर के अंदर क्योंकि जब तक यह लोग ईमानदारी से काम नहीं करेंगे तब तक यह लोग उल्टे सीधे काम करते रहेंगे उनके विरुद्ध बड़े अधिकारी भी कोई कार्रवाई नहीं करते हैं इसलिए यह लोग शिवगंज की सरकारी जमीनों को बेचने में लगे हुए हैं

कमल सिंह चौहान समाजसेवी व गौरक्षक रिको शिवगंज

शिवगंज पालिका क्षेत्र के बड़गांव रोड पर पुरानी कॉलोनी जो लक्ष्मी कीर्ति नगर व कपुर नगर नाम से है उसकी ओपन लैण्ड पर तो आगे लोगों ने बेचकर उस पर पक्के मकान वह फैक्ट्री बना दी गई थी उस पर अब लोग निवास कर रहे हैं वह वाणिज्यिक टेंट का धंधा कर रहे हैं उसको खाली करवा कर पालिका नहीं तोड़ रही है अतिक्रमण उसी के आगे दूसरी गली में पड़ी ओपन लैण्ड पर वह उसके पास में जवाई नदी की जमीन को उस पर प्लाट काट कर लोग बेच रहे हैं इस जमीनों पर पालिका को तारबंदी करवा कर अपने कब्जे में लेनी चाहिए अन्यथा शिवगंज की जनता बड़ा आंदोलन करेगी वह हड़ताल होगी क्यो की शहर के नेताओं व भूमाफियाओ ने सरकारी जमीन बेचना चालु कर दिया है जवाई नदी को नही छोडा जा रहा है शिवगंज के जवाई नदी किनारे पर हुए अतिक्रमण व कब्जो को हटाया जाएँ व बनाएँ पट्टो को खारिज करावे

जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एव वन विकास समिति शिवगंज

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के बडगॉव रोड पर लक्ष्मी कीर्ति नगर वह कपूर कॉलोनी की ओपन लैण्ड भूमि पर कब्जा कर वहां पर पक्का निर्माण कर दिया है लक्ष्मी कीर्ति नगर के कोने पर पड़ी जवाई नदी की जमीन पर शहर के कुछ लोग सफाई करवा कर प्लॉट काटकर बेचने की फिराक में है वह कपूर कॉलोनी की जमीन जो जवाई नदी के किनारे पर थी उसे पर पालिका ने बड़ा 1900 फीट का पट्टा बनाकर दे दिया जो नियम विरुद्ध जारी हुआ है उस पट्टे को तुरंत खारिज करवा कर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए व पुराने खसरा संख्या एक सौ इकतीस मे सरकारी जमीन की जाँच होनी चाहिए वह फर्जी तरमीम की जाँच होनी चाहिए वह फर्जी तरमीम व अतिक्रमण हटाना चाहिए बडगॉव रोड पर जो कोलोनी काटी गई कोलोनी की जाँच होनी चाहिए जो मास्टर प्लान सडक पर व नालों पर पलोट काटकर बेच रहे है ईनके विरुद्ध कोई कारवाई नही कर रहे है

सीमा देवी माली पार्षद नगर पालिका शिवगंज

जयपुर में स्कूल प्रिंसिपल की बोलेरो पर पेड़ गिरा, मौत:45 मिनट तक दबे रहे; क्रेन की मदद से डेडबॉडी बाहर निकाली

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। जयपुर में चलती बोलेरो पर नीम का पेड़ गिर गया। हादसे में कार में सवार स्कूल प्रिंसिपल की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसके बाद क्रेन की मदद से पेड़ हटाकर बॉडी को बाहर निकाला गया। हादसा जयपुर ग्रामीण के गांव गठवाड़ी में सुबह साढ़े 7 बजे हुआ। रायसर थानाधिकारी महेंद्र सिंह ने बताया कि गठवाड़ी के रहने वाले प्रिंसिपल प्रकाश चंद मीणा (58) स्कूल जा रहे थे। वे गांव के ही सरकारी स्कूल में पोस्टेड थे। इस दौरान गांव के बाजार से निकलने के दौरान उनकी गाड़ी पर एक पुराना नीम का पेड़ गिर गया। पेड़ इतना भारी था कि बोलेरो की छत पूरी तरह पिचक गई। ग्रामीणों प्रिंसिपल को निकालने की कोशिश करते रहे, लेकिन पेड़ को हटाया नहीं जा सका। इसके बाद क्रेन को बुलाकर कार से पेड़ हटाया गया। हालांकि, उनकी मौत पहले ही हो चुकी थी।

करीब 45 मिनट तक शव गाड़ी में फंसे रहे

गठवाड़ी सरपंच बाबूलाल मीणा ने बताया कि नीम का पेड़ काफी पुराना था और एक तरफ झुका हुआ भी था। सुबह जब प्रिंसिपल स्कूल जा रहे थे तो इसी दौरान ये हादसा हो गया। सुबह करीब 8 बजकर 15 मिनट पर उन्हें बाहर निकाला। इसके बाद 108 एम्बुलेंस की मदद से उनके शव को पास के प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। बताया जा रहा है कि पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

दों दिवसीय महोत्सव को सफल बनाने हेतु 12 अलग-अलग कमेटियों का किया गठन

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज - गणेश चतुर्थी महोत्सव को लेकर तैयारियां हुई प्रारंभ, शहर की छावनी क्षेत्र सदर बाजार स्थित गजानन मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सार्वजनिक गणेश चतुर्थी दो दिवसीय महोत्सव बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाएगा । गणेश चतुर्थी महोत्सव को लेकर गजानन मंदिर कमेटी के द्वारा समय-समय पर ली जा रही बैठक, गणेश चतुर्थी महोत्सव को लेकर आगामी 6 सितंबर को रात्रि में महिला मंडल द्वारा भजन संध्या एवं आंगीकारो के द्वारा भगवान गणपति की सुंदर आंगी तैयार की जाएगी । 7 सितंबर की सुबह भगवान गणपति का जन्मोत्सव, महा आरती प्रसाद वितरण एवं छप्पन भोग, शाम 3:00 शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए विशाल शोभायात्रा एवं रात्रि में भजनों के सम्राट गौ

ऋषि संत प्रकाश दास महाराज के द्वारा सुंदर भजनों की प्रस्तुति पेश की जाएगी । कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर गजानंद जी की आंगी हेतु कमेटी में नरेंद्र मित्तल, महावीर सोनी शिवम सोनी विशाल मित्तल, महिला भजन संध्या में दीपक शर्मा, हिम्मत घांची, नारायण कुमावत, प्रसाद व्यवस्था में सूर्य प्रकाश गोयल, महेंद्र सिंघल मुकेश सिंघल राजेंद्र गर्ग सचिन अग्रवाल विनोद खंडेलवाल, चाय और अपनी व्यवस्था में प्रवीण सिंघल, कमलेश अग्रवाल मोहित अग्रवाल, मीडिया प्रभारी और फुल डेकोरेशन में हेमन्त सिंघल, जन्मोत्सव व आरती व्यवस्था में विनोद सिंघल, विपिन अग्रवाल निकेश सिंघल , सुरेंद्र, किशोर वैष्णव श्रवण महेंद्र संजय रमेश अमित, शोभायात्रा व्यवस्था में सुभाष मित्तल, हरे कृष्णा जयेश दिलीप नीरज शर्मा विशाल, लोकेश सिंघल, यश मित्तल, विनोद कुरील, सायंकालीन महाआरती व्यवस्था कैलाश सोनी, राजेंद्र, विनोद, वरूण, जगदीश टेलर, दिनेश, विशाल भजन संध्या व पांडाल व्यवस्था भूपेन्द्र गोयल, दीपक, अमृत, घनश्याम, राकेश, मितेश, सुनील, जैनेन्द्र, महेंद्र, कैलाश, मोहित, तरूण, छप्पन भोग अर्जुन अग्रवाल, ड्रेस कोड अशोक सिंघल, बैच व्यवस्था महेंद्र गोयल कों कार्यभार सौंपा गया।

जोधपुर में गरजे अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया के फाइटर जेट:

सूर्यकिरण के 9 हॉक्स ने धुएं से बनाया तिरंगा अमेरिकी एयरफोर्स चीफ उड़ाएंगे तेजस

द पुलिस पोस्ट

जोधपुर। भारतीय वायुसेना का सबसे बड़े अभ्यास तरंग-शक्ति की एयर एक्सरसाइज जोधपुर में की जा रही है। भारत सहित 8 देशों की वायुसेना के जवान एयर-टू-एयर और एयर-टू-ग्राउंड एक्सरसाइज कर रहे हैं। इस एयर एक्सरसाइज में यूएसए के अ10 ने भारत के सुखोई 30 एमकेआई के साथ उड़ान भरी। वहीं ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स के एअ18 के साथ तेजस ने एयर एक्सरसाइज की। हवा के साथ ही ग्राउंड लेवल पर भी एक्सरसाइज जारी है। ये एक्सरसाइज 30 अगस्त से 14 सितंबर तक चलेगी। 7 सितंबर को ओपन डे रखा गया है। एक्सरसाइज के तहत पहली बार सूर्यकिरण के 9 हॉक्स ने जोधपुर के आसमान में तिरंगा बनाया। वहीं एयर एक्सरसाइज में अमेरिकी एयरफोर्स के चीफ भारत का तेजस विमान उड़ाएंगे।

सुखोई के साथ अमेरिकी वॉटहॉग ने भरी उड़ान

यह एक्सरसाइज 30 अगस्त से शुरू हो चुकी थी। मंगलवार को जोधपुर एयरबेस से भारतीय लड़ाकू विमानों के साथ अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स के सहायक लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरने के साथ टारगेट फिक्स किए। भारतीय वायुसेना के सुखोई 30 एमकेआई के साथ अमेरिका के ए10 वॉटहॉग ने उड़ान भरी। अमेरिका का ए 10 क्लोज एयर सपोर्ट एयरक्राफ्ट है, जो जमीन पर मौजूद सेना को सहायता देने के लिए विशेष तौर पर अमेरिकी एयरफोर्स के लिए तैयार किया गया है। एयर एक्सरसाइज में भारत के स्वदेशी तेजस के साथ ऑस्ट्रेलियाई ईए 18 ग्रावलर्स ने उड़ान भरी। यह इलेक्ट्रॉनिक अटैक एयरक्राफ्ट है, जो रडार, कम्युनिकेशन सहित अन्य मिलिट्री इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को खराब कर देता है। इस आयोजन में सुखोई 30 एमकेआई का भी सोलो डिस्प्ले होगा। करीब 17 देश ऑब्जर्वर के रूप में हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में बांग्लादेश भी अपनी वायुसेना के ऑफिसर को ऑब्जर्वर के रूप में भेजेगा। श्रीलंका एयरफोर्स के जवान सी 130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के साथ पहुंचेंगे।

अमेरिकी एयरफोर्स चीफ उड़ाएंगे तेजस

12 सितंबर को 12 देशों के एयर चीफ जोधपुर आएंगे। पहली बार जोधपुर के आसमान में दुनिया की सबसे शक्तिशाली अमेरिकी एयरफोर्स चीफ जनरल डेविड डब्ल्यू एल्विन तेजस उड़ाएंगे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स चीफ एयर मार्शल स्टीफन चैपल, जापानी एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के चीफ जनरल हिरोआकी उच्कुरा, यूएई डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इस्सा अल मजरूई और भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल वीआर चौधरी एक-दूसरे देश के लड़ाकू विमान उड़ाएंगे।

भारतीय हथियारों का होगा दुनिया के सामने प्रदर्शन

भारत में बने हथियारों और लड़ाकू विमानों का प्रदर्शन दुनिया के सामने होगा। तमिलनाडु के सुलार एयरबेस में प्रचंड और तेजस ने जलवा बिखेरा था। अब पश्चिमी राजस्थान में विश्व की

ये देश हो रहे हैं शामिल

भारत, अमेरिका, ग्रीस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, श्रीलंका कई देशों के वायुसेना के अधिकारी लेंगे हिस्सा तरंग-शक्ति 2024 का ये दूसरा फेज है। इससे पहले 6 से 14 अगस्त तक तमिलनाडु के सुलार में इसका पहला फेज पूरा हुआ था। इसमें 30 देशों के वायुसेना के जवान शामिल हुए थे। जोधपुर में हो रही इस एक्सरसाइज के दूसरे चरण में तेजस, सुखोई के साथ लूफ्तवाफे जर्मन एयरफोर्स, स्पेनिश एयरफोर्स के यूरोफाइटर टाइफून उड़ान भरेंगे। तरंग शक्ति की मेजबानी करके भारत सैन्य मजबूती और ताकत के साथ सुरक्षा ग्लोबल डिफेंस इको सिस्टम में भागीदारी निभाने का संदेश देगा। इंटर ऑपरेटीबिलिटी के साथ इंटेरिगेशन को बढ़ावा मिलेगा। इस एक्सरसाइज से दुश्मन देश को कड़ी चेतावनी मिलेगी।

भारतीयता के अनुरूप शिक्षा से ही नया भारत संभव

ललित गर्ग

नई शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सिर्फ साक्षर नहीं बनाना है बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का समुचित विकास करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है।

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को संकटों में भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण एवं शिक्षा को हर घर तक पहुंचाने के लिए तमाम सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी सफलता के सशक्त माध्यम शिक्षक ही है। भारत के राष्ट्रपति, महान दार्शनिक, चिन्तक, शिक्षाशास्त्री डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 5 सितम्बर को पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 घोषित की गयी, इसको लेकर देश में शिक्षा एवं शिक्षक पर व्यापक चर्चा आरंभ हो गई है। भारत की नई शिक्षा नीति में शिक्षा व्यवस्था के अलावा शिक्षकों की योग्यता एवं गुरुता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे देश में एक जैसे शिक्षक और एक जैसी शिक्षा पॉलिसी पर काम किया जा रहा है। इसके लिये अपेक्षित है कि केवल शिक्षा क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति का शंखनाद हो। किसी भी राष्ट्र एवं समाज की बहुत बड़ी शक्ति होती है- शिक्षक वर्ग। इस वर्ग के कंधों पर राष्ट्र के भविष्य-निर्माण यानी नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत का गुरुतर दायित्व है। यदि इस दायित्व में थोड़ी-सी भी भूल रह जाती है तो समाज के निर्माण की नींव खोखली रह सकती है।

वैदिक काल से ही भारत शैक्षणिक स्तर पर समृद्ध रहा है। इसी शिक्षा के आधार पर भारत विश्वगुरु कहलाता रहा है। गुरुकुल आधारित शिक्षा प्रणाली भारतीय परंपरा का प्रमुख अंग है। नालंदा और तक्षशिला की स्थापना तथा इसके प्रभाव से भारतीय शिक्षा व्यवस्था की समृद्ध परंपरा को जाना जा सकता है। लेकिन आजादी के बाद से हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली ब्रिटिश ढांचे पर अग्रसर हुई है, जिसके कारण शिक्षा मिशन न होकर, व्यवसाय बन गयी है। तमाम शिक्षक एवं शिक्षालय अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो गुरु-शिष्य की परंपरा कहीं न कहीं कलंकित हो रही है। आए दिन शिक्षकों द्वारा छात्रों एवं छात्रों द्वारा शिक्षकों के साथ दुव्यर्वहार, मारपीट एवं अनुशासनहीनता की खबरें सुनने को मिलती हैं। इसे देखकर हमारी संस्कृति की इस अमूल्य गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रश्नचि लगने लगे है।

शिक्षक दिवस एक अवसर है जब हम धुंधली होती शिक्षक की आदर्श परम्परा एवं शिक्षा को परिष्कृत करने और जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने की दिशा में नयी शिक्षा नीति के अन्तर्गत ठोस कार्य करें। वैश्वीकरण के इस दौर में हमारा समाज एक अज्ञात भविष्य की ओर अग्रसर दिखाई देता है। बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधनों के साथ

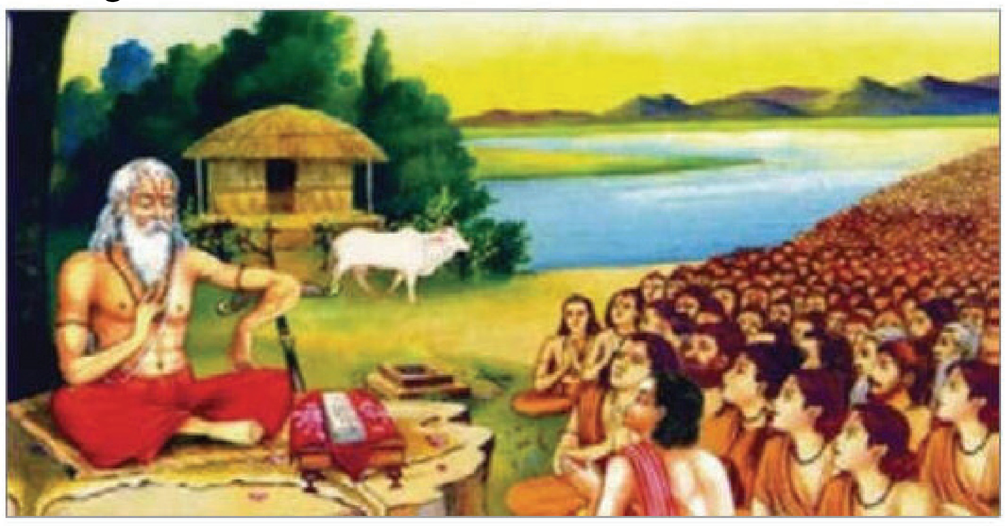

हमारे देश को नई समस्याओं का सामना करना है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें ऐसे ज्ञान, कौशल और दक्षता की आवश्यकता होगी जो हमारी समस्या समाधान में योगदान कर सके। हजारों की संख्या में उच्च शैक्षणिक, शोध संस्थानों तथा मानव संसाधन की प्रचुरता के बावजूद भारत में अभी ज्ञान संस्कृति' का विकास और विस्तार तीव्र गति से नहीं हो पाया है। हमारी बौद्धिक संपदा का व्यावहारिक उपयोग भी नाकाफी है। आज प्रतिभा पलायन भारत की एक बड़ी समस्या है। 2011 की जनगणना के अनुसार 26 प्रतिशत से अधिक भारतीय अभी भी निरक्षर हैं जो कि बेहद डरावना आंकड़ा हैं क्योंकि एक राष्ट्र के रूप में हमारी महत्त्वकांक्षाएं इससे ज्यादा की मांग करती है।

नई शिक्षा नीति में पारंपरिक से आधुनिक शैक्षणिक प्रतिमानों में गहरा बदलाव करके पूर्ण मानवीय क्षमता को प्राप्त करने, एक समतापूर्ण समाज विकसित करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयत्न हो रहे हैं। अब अनुभवात्मक शिक्षा और समग्र छात्र विकास की दिशा में एक आदर्श बदलाव की शुरूआत हो रही है। इस समकालीन शैक्षिक परिदृश्य में, क्या सीखना है से लेकर कैसे सीखना है, इस पर जोर दिया जाता है। आलोचनात्मक सोच, निर्णय लेने और समस्या-समाधान के कौशल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यह उद्यमशीलता, नवाचार और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को विकसित करने के महत्व को रेखांकित करती है। भारत अब विज्ञान और प्रौद्योगिकी के युग का गवाह बन रहा है। भारत में शिक्षा ने अब खुद को पुनर्गठित किया है ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि हमारे दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी कितनी आवश्यक है। इसी शिक्षा के कारण भारत का भाल आज भी गर्व और गौरव से उन्नत है। भारत की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए एफ. डब्ल्यू. टॉमस ने लिखा है- 'भारत में शिक्षा विदेशी पौधा नहीं है। संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में आविर्भाव हुआ हो या जिसने इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो।'

महात्मा गांधी के अनुसार सर्वांगीण विकास का तात्पर्य है- आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म-इन सबके विकास में संतुलन बना रहे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सर्वांगीण विकास का अर्थ है- हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक आचार, संस्कार, व्यवहार और विचार- इन सबका परिमार्जन करने का प्रयत्न करते रहते थे। इन्हीं सब चचाओं के मध्य हम देखेंगे कि 1986 की शिक्षा नीति में ऐसी क्या कमियाँ रह गई थीं जिन्हें दूर करने के लिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नति को लाने की आवश्यकता पड़ी। साथ ही क्या यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगी जिसका स्वप्न महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद ने देखा था? यह स्वप्न है जिसके माध्यम से मनुष्य की आंतरिक शक्तियों का विकास, व्यवहार को परिष्कृत करना तथा ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर मनुष्य को योग्य नागरिक बनाना। शिक्षकों पर इस दुनिया में सबसे प्रेरक काम और एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक ज्ञान का भंडार हैं जो अपने शिष्यों को अपना ज्ञान देने में विश्वास करते हैं जिससे उनके शिष्य भविष्य में दुनिया को बेहतर बनाने में सहायता कर सकेंगे। इससे ऐसी पीढ़ी निर्मित होगी जो उज्ज्वल और बुद्धिमान हो तथा वह जो दुनिया को उसी तरीके से समझे जैसी यह है और जो भावनाओं से नहीं बल्कि तर्क और तथ्यों से प्रेरित हो। हर शिक्षक अपने विद्यार्थी के व्यक्तित्व को तराशकर उसे महनीय और सुघड़ रूप प्रदान करते हैं। हर पल उनकी शिक्षाएं प्रेरणा के रूप में, शक्ति के रूप में, संस्कार के रूप में जीवंत रहती हैं। महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में -'व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है। निःस्वार्थी और जागरूक शिक्षक ही किसी दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है।' हमने सुपर-30 फिल्म में एक शिक्षक के जुनून को देखा। इस फिल्म में प्रो. आनन्द के शिक्षा-आन्दोलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुति दी गयी है। आजादी के अमृतकाल यानी पिछले 75 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में हमने ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं तो कई ऐसे प्रश्न हैं जो हमारी शिक्षा व्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौती हैं। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के दौर में हमारी शिक्षा व्यवस्था को भारतीयता के अनुकूल बनाने की जरूरत है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के संदर्भ में एक शिक्षक की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण होती जा रही है क्योंकि उसे न केवल बच्चों का बौद्धिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक तथा शारीरिक विकास करना है बल्कि सामाजिक, चारित्रिक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास भी करना है।

नई शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सिर्फ साक्षर नहीं बनाना है बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का समुचित विकास करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है। यह एक वृहद दस्तावेज है जिस पर विमर्श जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर यह आरोप भी है कि संसाधनहीनता की स्थिति में हम कैसे अपने शैक्षणिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं? प्राचीन काल में शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या विमुक्तये' रहा अर्थात विद्या वही है, जो मुक्ति दिलाए। आज शिक्षा का उद्देश्य सा विद्या या नियुक्तये हो गया है अर्थात विद्या वही जो नियुक्ति दिलाए। इस दृष्टि से शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित यानी गुण-सम्पन्न नहीं बनना चाहते। मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं हैं।

संपादकीय

चिंता का समाधान

बांग्लादेश में हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को लेकर हर कोई चिंतित है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पलक्कड़. में तीन दिवसीय सम्मेलन समन्वय बैठक में यह कहा। उन्होंने बताया कि विभिन्न संगठनों द्वारा बांग्लादेश की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट दी। विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों और बयानों के माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है कि कि वह बांग्लादेश सरकार के साथ मिल कर काम करे। तमिलनाडु. में मिशनरियों द्वारा धमांतरण गतिविधियां चलाए जाने का आरोप लगाते हुए इसे गंभीरता से लेने को कहा गया है जबकि ध्यान देने योग्य तथ्य यह है कि बीते साल सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु. सरकार इसके बाबत हलफनामा दे चुकी है। हलफनामे के अनुसार कई वर्षों से राज्य में जबरन धर्म परिवर्तन की कोई घटना नहीं हुई है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर भारत आने के बाद से बांग्लादेश में कई मंदिरों, हिन्दुओं के मकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। बांग्लादेश की राजनीति में अल्पसंख्यकों खासकर हिन्दुओं की सुरक्षा का मसला राजनीति और सत्ता में बदलाव के साथ ही संवेदनशील हो जाता है। अवामी लीग की भारी हार के बाद 2001 में भी हिन्दू समुदाय पर बड़े. पैमाने पर हमले किए गए थे। कुछ संगठनों का तो यहां तक दावा है कि शेख हसीना के पलायन के बाद चार दर्जन जिलों में ढ़ाई सौ से ज्यादा घटनाएं हुई। हिन्दू, बौद्ध और ईसाई एकता संगठन दो सौ से ज्यादा हमलों और उत्पीड़न की घटनाओं का दावा कर रहे हैं। वे अल्पसंख्यक आयोग बनाने और इन घटनाओं की जांच की मांग कर रहे हैं। बांग्लादेश की आबादी में अल्पसंख्यकों का कुल आठ प्रतिशत है। विश्लेषकों का कहना है कि हिन्दुओं पर होने वाले हमले राजनीतिक से ज्यादा सांप्रदायिक ज्यादा हैं। हालांकि इस बात पर कोई संदेह नहीं कि हिन्दुओं के साथ होने वाली इन घटनाओं का फायदा अवामी लीग के साथ-साथ भारत भी परोक्ष तौर पर लेता है। भारत सरकार बांग्लादेश के साथ अपने राजनैतिक संबंधों को बिगाड़ने को कतई राजी नहीं नजर आ रही। हालांकि वहां की अंतरिम सरकार और सेना पर दबाब बना कर फौरी राहत की बात हो सकती है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी वहां हस्तक्षेप करने के लिए राजी करने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मों का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निि त है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निि त रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना स नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

मदर टेरेसा : पुण्यतिथि- करुणा और सेवा का दूसरा नाम है : मदर टेरेसा

मदर टेरेसा, जिन्हें पूरी दुनिया में करुणा, सेवा, और मानवता का प्रतीक माना जाता है, उनका जन्म 26 अगस्त 1910 को मैसेडोनिया के स्कोप्जे में हुआ था। उनका असली नाम एग्नेस गोंझा बोयाजियू था। बाल्यकाल से ही एग्नेस के हृदय में सेवा का बीज अंकुरित हो चुका था, जिसने उन्हें आगे चलकर एक ऐसा जीवन चुनने के लिए प्रेरित किया, जो पूरी तरह से जरूरतमंदों और पीड़ितों की सेवा के लिए समर्पित था। वे एक रोमन कैथोलिक नन थीं, जिन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण उन लोगों की भलाई में लगाया, जिनके पास न तो कोई सहारा था और न ही कोई आशा।

18 वर्ष की आयु में एग्नेस ने नन बनने का निर्णय लिया और आयरलैंड के लोरेटो नन समुदाय में शामिल हो गईं। वहां से उन्हें भारत भेजा गया, जहां उन्होंने कोलकाता के लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल में शिक्षक के रूप में अपनी सेवा प्रारंभ की। हालांकि, शिक्षण का कार्य महत्वपूर्ण था, लेकिन मदर टेरेसा ने अपने आस-पास की गहरी गरीबी और दयनीय स्थिति को देखकर कुछ बड़ा करने का संकल्प लिया। उन्होंने महसूस किया कि उनका असली उद्देश्य गरीबों और असहायों की सेवा करना है।

1946 में, मदर टेरेसा को ईश्वर की पुकार मिली, जिसे उन्होंने अपने जीवन का दूसरा मोड़ माना। यह आ ान उनके लिए एक संकेत था कि उन्हें कॉन्वेंट की सुरक्षित

दीवारों से बाहर निकलकर समाज के सबसे गरीब और पीड़ित लोगों के बीच काम करना चाहिए। इस आ ान को स्वीकार करते हुए, उन्होंने 1950 में मिशनरीज ऑफ चैरिटी नामक संस्था की स्थापना की। इस संगठन का उद्देश्य था उन लोगों की सेवा करना जिन्हें कोई नहीं चाहता, जिनकी कोई परवाह नहीं करता, और जो समाज द्वारा छोड़े जा चुके हैं। मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने गरीबों, बीमारों, अनाथों और मरते हुए लोगों की सेवा का संकल्प लिया। मदर टेरेसा ने कोलकाता में निर्मल हृदय नामक आश्रय गृह की स्थापना की, जहां मरने वालों को गरिमा के साथ देखभाल और शांति प्रदान की जाती थी। उनकी करुणा और सेवा ने उन्हें न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में एक आदर्श के रूप में स्थापित किया। उनके कार्यों ने दुनिया भर के लोगों का दिल जीत लिया और समाज सेवा के क्षेत्र में एक नई दिशा दी। मदर टेरेसा के कार्यों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। 1979 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस सम्मान को स्वीकार करते हुए, उन्होंने पूरी पुरस्कार राशि को गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा में लगा दिया। उन्होंने अपने जीवन में सादगी, त्याग और समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने यह दिखाया कि सच्ची खुशी दूसरों की सेवा करने में है, और इस विचारधारा ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। मदर टेरेसा का जीवन 5 सितंबर 1997 को समाप्त हुआ, लेकिन उनकी विरासत आज भी जीवित है। 2016 में, उन्हें पोप फ्रांसिस द्वारा संत घोषित किया गया, और अब उन्हें संत टेरेसा के नाम से जाना जाता है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि प्रेम, सेवा, और करुणा के माध्यम से दुनिया को बदला जा सकता है। उन्होंने हमें सिखाया कि एक व्यक्ति का समर्पण और करुणा अनगिनत लोगों की जिंदगी बदल सकता है। मदर टेरेसा का जीवन न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि जीवन की सच्ची सफलता और संतोष दूसरों की सेवा करने में निहित है। उनका उदाहरण हमें यह याद दिलाता है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, मानवता के प्रति हमारी सेवा और समर्पण ही हमें सच्ची शांति और संतोष प्रदान कर सकता है। उनके कार्य और उनके द्वारा दी गई शिक्षा हमें हमेशा प्रेरित करती रहेंगी, और उनकी विरासत हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेगी।

- बी. डेविड

उथली होती यमुना : तो हर फुहार के साथ दिल्ली डूबेगी ही...

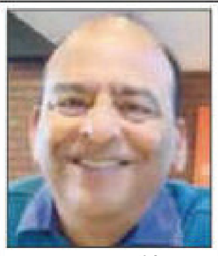
पंकज चतुर्वेदी

इस बार राजधानी दिल्ली पर कुल आठ बार ठीकठाक बादल बरसे और बमुश्किल एक घंटे की बरसात में ही दिल्ली ठिठक गई। कोई 65 लोग बरसात में जलभराव या भरे पानी में बिजली का करेंट आने से मर चुके हैं। आकाश से राहत की बूंदें गिरीं और क्या मिंटो रोड तो क्या नवनिर्मित प्रगति मैदान की सुरंग, हर जगह पानी शहर की रफ्तार थाम देता है।

जिस शहर के बीचोंबीच से 22 किमी. तक यमुना बहती है, वह शहर प्यास बुझाने को उसी यमुना का पानी 104 किमी. दूर करनाल से मूनक नहर के जरिए लेता है। जिन जल-तिजोरियों को बरसात की हर बूंद सहेजने के लिए इस्तेमाल किया जाना था, उन्हें 'रियल एस्टेट' मान लिया गया और कुदरत की नियामत बरसते ही बेपानी विशालकाय शहर की पूरी सड़कें, कॉलोनियां पानी से लबालब हो जाती हैं। काश! केवल यमुना को अविरल बहने दिया होता और उससे जुड़े तालाबों और नहरों को जीवन दे दिया जाता तो दिल्ली से दुगुने बड़े शहरों को पानी देने और बारिश के चरम पर भी हर बूंद को समेट लेने की क्षमता इनमें है।

दिल्ली में जलभराव का कारण यमुना का गाद (सिल्ट) और कचरे के कारण इतना उथला हो जाना है कि महज एक लाख क्यूसेक पानी आ जाए तो इसमें बाढ़ आ जाती है। नदी की जल ग्रहण क्षमता को कम करने में बड़ी मात्रा में जमा गाद, रेत, सीवरेज, पूजा-

पाठ सामग्री, मलबा और तमाम तरह के कचरे का योगदान है। 1994 से अब तक यमुना एक्शन प्लान के तीन चरण आ चुके हैं, हजारों करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं पर यमुना में गिरने वाले दिल्ली के 21 नालों की गाद भी अभी तक नहीं रोकी जा सकी है। जब नाले का पानी नदी की तरफ लपकता है और उथली नदी में पहले से ही नाले के मुंह तक पानी भरा होता है तो नदी के प्रवाह से उपजे प्रतिगामी बल से नाले पलट कर सड़कों को दरिया बना देते हैं। कभी यमुना का बहाव और हाथी डुब्बा गहराई आज के मयूर विहार, गांधी नगर, ओखला, अक्षरधाम तक हुआ करती थी। एक तरफ ढेरों वैध-अवैध कॉलोनियों और सरकारी भवनों के कारण नदी की चौड़ाई कम हुई तो दूसरी तरफ गहराई में गाद भर गई। इस तरह जीवनदायी बरसात के जल को समेटने वाली जल धार को कूड़ा ढोने की धार बना दिया गया।

जब नदी-नहर पानी की कमी पूरी कर नहीं पाते तो जमीन में छेद कर पानी उलिछा जाता है, यह जाने बगैर कि इस तरह भूजल स्तर से बेपरवाही का असर यमुना के जल स्तर पर ही पड़ रहा है। बात आबादी बसाने की हो या उनके लिए सुचारु परिवहन के लिए पुल या मेट्रो बनाने की, हर बार यमुना की धारा के बीच ही खंभे गाड़े जा रहे हैं। वजीराबाद और ओखला के बीच यमुना पर 22 पुल बन चुके हैं, और चार निमार्णाधीन हैं, और इन सभी ने यमुना के नैसर्गिक प्रवाह, गहराई और चौड़ाई को नुकसान पहुंचाया है। रही-बची कसर अवैध आवासीय निमार्णों ने पूरी कर दी जो देखते-देखते यमुना का कछार अर्थात जहां तक नदी अपने पूरे यौवन में लहरा सके, को ही हड़प गए। कछार में अतिक्रमण ने नदी के फैलाव को रोक दिया और इससे जल-ग्रहण क्षमता कम हो गई। तभी इसमें पानी आते ही कुछ ही दिनों में बह जाता है। सरकारी बस्तों में दर्ज है कि यमुना के दिल्ली प्रवेश वजीराबाद बैराज से ओखला बैराज तक के 22 किमी. में 1700 हेक्टेयर की कछार भूमि पर पक्के निर्माण हो चुके हैं।

इसमें से 3638 हैक्टेयर को दिल्ली विकास प्राधिकरण खुद नियमित अर्थात वैध बना चुका है। यहां पूरी तरह सरकारी अतिक्रमण हुआ-100 हेक्टेयर में अक्षरधाम मंदिर, खेल गांव का 63.5 हेक्टेयर, यमुना बैंक मेट्रो डिपो 40 हैक्टेयर और शास्त्री पार्क मेट्रो डिपो 70 हेक्टेयर। आईटी पार्क, दिल्ली सचिवालय, मजनूं का टीला और अबु फजल एनक्लेव जैसे बड़े वैध-अवैध अतिक्रमण हर साल बढ़ रहे हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के शोध के मुताबिक, यमुना के बाढ़ क्षेत्र में 600 से अधिक आर्दभूमि और जल निकाय थे, लेकिन उनमें से 60प्र. से अधिक अब सूखे हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, 'यमुना बाढ़ क्षेत्र में यमुना से जुड़ी कई जल-तिजोरियों का संपर्क तटबंधों के कारण नदी से टूट गया।'

समझना होगा कि अरावली से चल कर नजफगढ़ झील में मिलने वाली साहबी नदी का इस झील को यमुना से जोड़ने वाली नैसर्गिक नहर का नाला बनना हो या सराय कालेखां के पास बारा पुला या खिड़की गांव का सात पुला या लोधी गार्डन की नहरें, असल में ये सभी यमुना में क्षमता से अधिक पानी आने पर तो उसे जोहड़-तालाब में सहेजने का जरिया थीं। शहर को चमकाने के नाम पर इन सभी सदियों पुरानी संरचनाओं को तबाह किया गया, सो न अब बरसात का पानी तालाब में जाता है, और न ही बरसात के दिनों में सड़कों पर जल जमाव रुक पाता है। जब दिल्ली बसी ही इसलिए थी कि यहां यमुना बहती थी, सो जान लें कि यदि दिल्ली को जलभराव से जूझना है तो यमुना अविरल बहे, उसकी गहराई और पाट बचे रहें, यही अनिवार्य है। वरना तैयार रहिए अपनी संपदा यमुना को चोट पहुंचाने के चलते सावन-भादों में हर फुहार के साथ दिल्ली डूबेगी ही!

सरकारी धन का दुरुपयोग अब पार्षदो व पालिकाध्यक्ष ने किया है मुकदमा दर्ज कर जेल भेजना चाहिए

शिवगंज पालिकाध्यक्ष व कुछ नेताओं की मिली भक्ति से शुभाष नगर योजनाओं का भूखंड खाँचा भूमि के नाम बेचकर पालिका प्रशासन को लाखों का चुना लगाया गया

कोलोनी निवासीओ व एक पूर्व फोजी के साथ धोखाधड़ी की जाँच कर भष्ट्राचार ब्यूरो मे मुकदमा दर्ज कराना चाहिए तब जाकर शिवगंज की जनता के आगे ईनकी ईमानदारी उजागर होगी

पवेलियन मैदान की लगतीं जमीन का पट्टा खारिज कर वापस निलाम किया जाएँ पालिका कोष को चालिस लॉख की आय होगी यह मामला भष्ट्राचार ब्यूरो मे मुकदमा दर्ज होना चाहिए

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में सबसे महंगी कॉलोनी शुभाष नगर कोलोनी योजनाओं का भूखंड है यह तुरंत यह पट्टा खारिज करना चाहिए यह पवेलियन मैदान के पास जमीन पर पूर्व फौजी का कब्जा व चालिस लॉख की जमीन सात लॉख मे बेच दी कुछ लाखों रुपए नेताओं ने आपस में बंटरबाट कर दी यह शुभाष नगर में योजना के भूखंड को खाँचा भूमि में देकर पालिका को लाखों रुपए का नुकसान पहुंचा दिया गया है वैसे ही वहां पर अगर निलाम करके यह भूखंड नीलाम किया होता तो इसके करीब 35 से 40 लॉख रुपया आय होतीं पर नीलामी में तो इन नेताओं व अधिकारी को रुपया मिलता नहीं था इसलिए इन्होंने सीधा ही खाँचा भूमि में देकर अपने लाखों रुपया बनाने के लिए उन्होंने सीधे ही खाँचा भूमि दे दिया यह भूखंड सुभाष नगर पवेलियन मैदान के सामने आया है एक तरफ तो उसकी नजर पवेलियन आता है दूसरी तरफ पशु चिकित्सालय एक तरफ प्लॉट और एक तरफ खुली गली ऐसे ही इन लोगों ने कोई कसर नहीं छोड़ी है पालिका राजस्व कोष को नुकसान पहुंचाने में इसको भी बेचकर लाखों रुपए वारे न्यारे किया है क्योंकि कुछ पैसा पालिका कोष में जमा करवाकर बाकी अपने जेब में जमा कर दिया इनको पता नहीं था यह सीधा बेचना सबसे बड़ा गुनाह है ऐसे में घर के आगे वाली खाँचा भूमि इस घर के मालिक को देने में एक पूर्व पालिका अध्यक्ष निलंबित किए गए थे पर अब इन्होंने तो पूरी योजना का भूखंड बेचकर सबसे बड़ा घोटाला किया है फिर उसमें निलंबित क्यों नहीं किया जा रहा है अब तुरंत ही अगर इनको निलंबित नहीं किया गया तो जन आंदोलन होगा की पूर्व में भी तीन चार बार शिकायत हो चुकी है वह अखबार में खबर प्रकाशित होने के बाद भी प्रशासन आज तक नहीं की कार्यवाही खाली जगह फिर आखिर में

पालिका प्रशासन इन पर इतना मेहरबान क्यों है क्योंकि शिवगंज नगर पालिका में जब से यह कांग्रेश का बोर्ड बना है तब से लेकर आज तक भ्रष्टाचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है चाहे पट्टे देख लो स्टेंट ग्राउंड कच्ची बस्ती आवासीय से वाणिज्यिक भूखंड कॉलोनी के भुखंड योजना के भूखंड हुए सहित खार्चा भूमि को बेचकर लाखों के वारा न्यारे किया फिर भी पालिका वाले ईन पर ईतने मेहरबान क्यों है इसलिए अब अगर पालिका प्रशासन इनके विरुद्ध कार्यवाही करता वह इस पत्रावली को निरस्त करता तो अब इस पत्रावली को स्वीकृत करने वाले अधिकारियों वह बाबुओं के विरुद्ध कार्यवाही करनी पड़ेगी नहीं तो उच्च न्यायालय का सहारा लेना पड़ेगा इसकी जिम्मेदारी आप प्रशासन की रहेगी दिनांक 21-3-2024 को जयपुर शासन सचिवालय में स्वायत शासन मंत्री झाबरसिंह खॅरा को एक पत्र देकर शिवगंज शहर में प्रशासन शहरों के संग अभियान में बनाए गए पट्टो वह खाँचा भूमि की जांच उच्च अधिकारियों से करवानी चाहिए जिससे पता चल जाएगा की कितने नियमों के अनुसार वह कितने नियमों के विरुद्ध पट्टे जारी किए सबसे ज्यादा प्रत्येक नियमों के विरुद्ध पट्टे जारी हुए वह खाँचा भूमि तो नियमों के विरुद्ध दी है इन बाबुओं ने वह अधिकारियों ने भ्रष्टाचार करने के अलावा दूसरा कोई काम नहीं किया इसलिए इनके विरुद्ध करवाई करवाने की मांग की गई मंत्रीजी ने आश्वासन दिया कि अब जोधपुर से डीडीआर से जाँच करवा कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी मंत्रीजी व अधिकारियों को कारवाई करवाने का आदेश दिया इस शिवगंज नगर पालिका पूर्व पार्षद जैसाराम माली ने मंत्रीजी को कह दिया कि आप शिवगंज नगर पालिका संबंधित कांग्रेस के बोर्ड की वह पूर्व कांग्रेस सरकार में प्रशासन शहरों के संग अभियान जब से चालू हुआ तब से लेकर आज तक की पट्टो व खाँचा भूमि की जांच कारवाई की जाए तब पता चल जाएगा कि इन्होंने कितना ईमानदारी से काम किया वह कितना भ्रष्टाचार कर काम किया क्योंकि अब खुलेगी पोल इन्होंने पट्टो व स्टोर शाखा मे कोटेशन बिल का फजीर्वाडा किया करोडों रुपए का भष्ट्राचार किया इन्होंने शहर का विकास नही विनाश ही किया है ईस बोर्ड ने शिवगंज नगर पालिका की

इनका कहना है

शिवगंज नगर पालिका के सुभाष नगर कॉलोनी में सबसे महंगी कॉलोनी है जिसका एक प्लॉट की रेट करीब करोड रुपए हैं और वहां

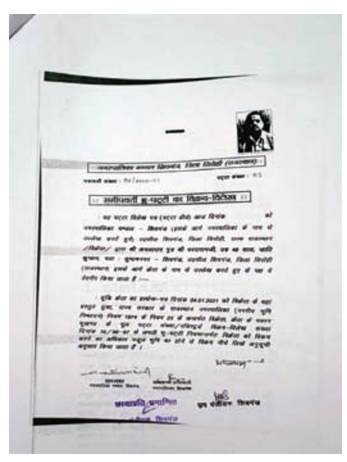

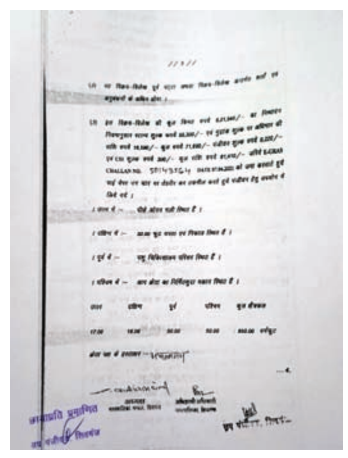

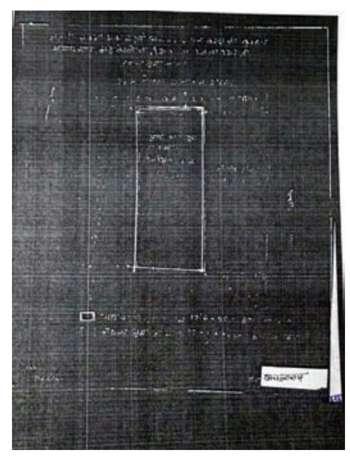

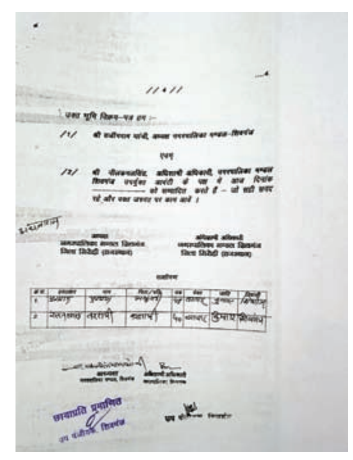

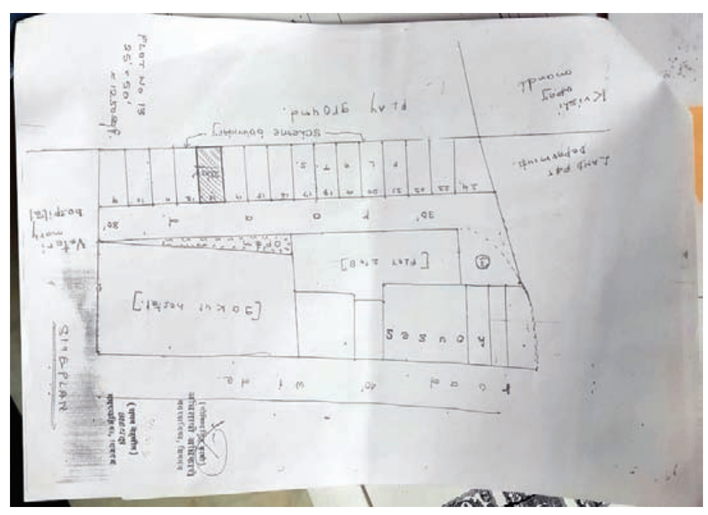

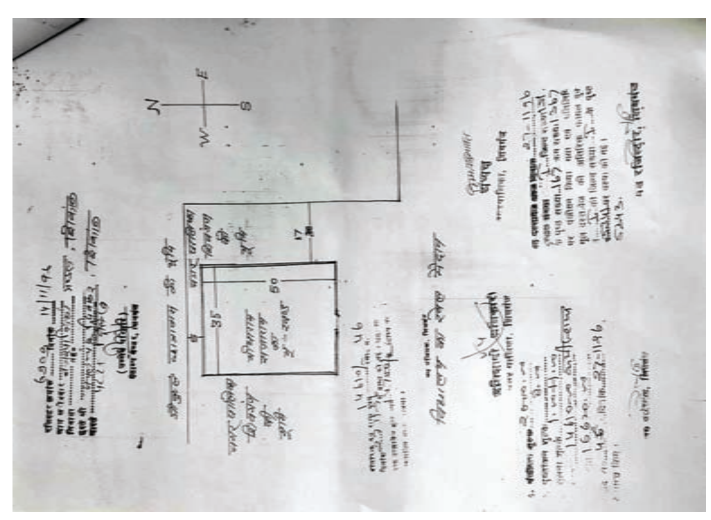

पर खाँचा भूमि देना मतलब लाखों रुपए की हुई इन्होंने आनंन फानन दामों में इन क्षेत्र लोगों को जमीन देकर पालिका कोष को लाखों का नुकसान पहुंचा शिवगंज शहर में जितनी भी खाँचा भूमि की स्वीकृति हुई है वह जितने भी अतिक्रमण हुए वह कब्जे हुए उन सभी की जांच उच्च अधिकारियों से करवाई जाए जिससे पता चल जाएगा कि ईमानदारी से कितने काम हुए वह भ्रष्टाचार करके कितना हुआ इन सभी की जांच उच्च अधिकारियों से करवानी चाहिए कमलसिह चौहान समाजसेवी व उधमी रिको शिवगंज

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में पालिका के अंदर जो भी नियमों के अनुसार पट्टे बने वह नियमों के विपरीत पट्टे बने उन सभी की जांच उच्च अधिकारियों से करवानी चाहिए वह उनके द्वारा फजीर्वाडा कर बिना दस्तावेजों से पट्टो को बना दिए गए उन पट्टो की जांच की जाए तब जाकर पालिका कोष को करोड़ों रुपए का फायदा हुआ होगा वह शहर का विकास दिन रात दुगनी कर हर गली बाजार में विकास होता शहर की जनता को राहत मिलेगी मंत्रीजी से भी मैंने कहाँ कि जांच करवाई जाए वहां पालिका कोष को करोड रुपए का नुकसान किया है उसकी वसूली ऐसे अधिकारियों वह कर्मचारियों से करवाई जाए जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एवं वन विकास समिति शिवगंज

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में जहाँ भी कोलोनी मे खाँचा भूमि बेची गई या दी गई है उन सभी की जाँच होनी चाहिए क्यू की पालिका प्रशासन के बाबु व अधिकारी व नेताओं ने मिलकर करोडों का भष्ट्राचार किया है उन सभी की जाँच होनी चाहिए तब जाकर शिवगंज शहर की जनता को न्याय मिलेगा अन्यथा यह भष्ट्राचारी बच जाएंगे क्यू की करोडों की जमीन फोगट मे दी है खॉचा भूमि के नाम ज्यादातर नियमों के विपरीत पट्टा बनाकर दिया है सभी खाँचा भूमि की जाँच करवाकर खारिज करना चाहिए व ईन भष्ट्राचारीओ के विरुद्ध मुकदमे दर्ज होने चाहिए

शंकरलाल कुमावत पार्षद नगर पालिका शिवगंज

शिवगंज नगर पालिका मे अस्थाई कर्मचारीओ ने फजीर्वाडा किया है सरकारी कर्मचारियों ने अस्थाई कर्मचारीओ के हाथो पैसा लेना स्थाई कर्मचारीओ को बहार गाडी तक पैसा देना शहर की जनता को लुटने मे पिछे नही रहे सभी ईनके हाथो बनाएँ गएँ है पट्टो खाँचा भूमि स्टेट ग्राउन्ड पट्टे कच्ची बस्ती नाडी नालो नाडीओ के पट्टे की जाँच होनी चाहिए व स्टोर शाखा मे कोटेशन बिल का फजीर्वाडा किया पालिका क्षेत्र में अवैध निर्माण स्वीकृति जो आवासीय क्षेत्र मे वाणिज्यिक बिल्डिंग दुकाने की स्वीकृति व अंडर ग्राउंड पार्किग की जगह पर दुकाने बनाई जा रही है शहर के सभी वाणिज्यिक काम्पलैक्स की जाँच होनी चाहिए **सीमादेवी माली पार्षद नगर पालिका शिवंगंज**

मगरा क्षेत्रीय विकास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024 25 की वार्षिक कार्य योजना की बैठक का हुआ आयोजन

द पुलिस पोस्ट

आसींद, करेड़ा, रायपुर और बदनोर पंचायत समिति के 4 करोड़ 81 लाख के 135 कार्यों का हुआ अनुमोदन

भीलवाड़ा, मगरा क्षेत्रीय विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 की वार्षिक कार्य योजना को लेकर जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रमुख बरजी बाई, रायपुर प्रधान शिवराज सिंह, करेड़ा प्रधान राजेंद्र सरगरा मौजूद रहे। बैठक में वार्षिक कार्ययोजना के तहत आसींद, करेड़ा, रायपुर और बदनोर पंचायत समिति के 4 करोड़ 81 लाख के 135 विभिन्न विकास कार्यों का अनुमोदन किया गया। जिसमें पंचायत समिति आसींद में 59.40 लाख के 19 कार्य,पंचायत समिति करेड़ा में 195.72 लाख के 36 कार्य, पंचायत समिति बदनोर में 149.22 लाख के 58 कार्य, पंचायत समिति रायपुर में 76.72 लाख के 22 विकास कार्यों का अनुमोदन किया गया। सीईओ शिवपाल जाट ने बैठक में बताया कि भीलवाड़ा जिलें में मगरा योजनान्तर्गत 04 पंचायत समितियां आसीन्द, बदनोर, करेड़ा एवं रायपुर है जिनकी कुल 42 ग्राम पंचायतों के 188 ग्राम शामिल है। योजना के तहत मगरा क्षेत्र के गावों में रोड लाइट, सार्वजनिक पार्क विकास, ब्लॉक रोड मय नाली निर्माण, राजकीय भवन मरम्मत, विश्रांति गृह, सराय निर्माण, चार दिवारी निर्माण कार्य, शमशान घाट निर्माण, साफ सफाई, गन्दे पानी की व्यवस्थित निकासी एवं निस्तारण, नाली निर्माण ओर उनकी सफाई की व्यवस्था ओर ठोस एवं तरल कचरा संग्रहण एवं प्रबन्धन, संस्थागत एवं सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, सुगम यातायात हेतु आंतरिक सड़को का निर्माण, ग्राम चौपालों में रोशनी की व्यवस्था, मिसिंग लिंक रोड आदि विकास कार्यों का अनुमोदन किया गया। इस दौरान बैठक में सीईओ जिला परिषद शिवपाल जाट, एसई पीडब्ल्यूडी पीआर मीणा, एसई पीएचईडी राजपाल सिंह, सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी, एडीपीसी समसा योगेश पारीक सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

वैन चोरी करने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

घर के बाहर खड़ी थी, सीसीटीवी वीडियो के आधार पर पुलिस ने पकड़ा

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में घर के बाहर खड़ी मारुति वैन चुराने के मामले का रायपुर थाना पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में दो चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की मारुति वैन जब्त की है।

रायपुर थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया- 14 जून को रायपुर में रहने वाले पीरु दरोगा ने एक रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया था कि उसने अपनी मारुति वैन को घर के बाहर खड़ा किया था। अज्ञात चोर देर रात में उसके घर के बाहर से वैन चुरा ले गए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और घटना स्थल के आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज, टेक्निकल डेटा कलेक्शन और परंपरागत पुलिसिंग से मिली सूचनाओं के बाद चोरी गए वाहनों के संबंध में पूछताछ की और दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने जब इनसे कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने मारुति वैन चुराना कबूल किया। पुलिस ने इन दोनों के पास से चोरी की मारुति वैन बरामद की। कार्रवाई टीम में हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र सिंह, कॉन्स्टेबल मनोज, महेश कुमार, सीताराम शामिल रहे। वहीं दीपक पिता जगन्नाथ रावल (20)निवासी चित्तौड़ और देवकिशन पिता श्यामलाल जटिया (22) निवासी चित्तौड़ को गिरफ्तार किया गया।

भीलवाड़ा अब नगर निगम, पहले महापौर बने राकेश पाठक

स्वायत्त शासन विभाग ने जारी किया आदेश, वित्त मंत्री ने बजट में की थी घोषणा

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा नगर परिषद अब नगर निगम में बदल गई है। इस संबंध में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक और सचिव सुरेश कुमार ओला ने आदेश जारी किया है। नगर परिषद के नगर निगम बनने के बाद से अब सभापति राकेश पाठक भीलवाड़ा शहर के पहले महापौर हो गए हैं। महापौर बनने के बाद उन्होंने बताया कि नगर परिषद के नगर निगम बनने से शहर के विकास को गति मिलेगी। आज स्वायत्त शासन विभाग ने आर्थिक और भौगोलिक दृष्टि को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत किया है। उन्होंने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की ऐसी कई योजनाएं होती है जो केवल नगर निगम के स्तर पर ही क्रियान्वित होती है, उन सभी योजनाओं का लाभ अब भीलवाड़ा को मिलने लगेगा।

भीलवाड़ा को नगर निगम बनाने की घोषणा राज्य की वित्त मंत्री दिया कुमारी ने विधानसभा में बजट के दौरान की थी। इस घोषणा के बाद से भीलवाड़ा के लोगों में खुशी का माहौल था और आज इसका फाइनल नोटिफिकेशन जारी होने के बाद से सभी में उत्साह है।

हार्डकोर बदमाश को बाजार में पैदल घुमाया

धोखाधड़ी के मामले में प्रोडक्शन वारंट पर किया गिरफ्तार

कोटा। कोटा पुलिस ने हार्डकोर बदमाश को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया। थाने ले जाने से पहले उसे बाजार में पैदल घुमाकर परेड करवाई गई। इलाके के व्यापारियों के बीच से उसका डर खत्म करने के लिए पुलिस ने ये एक्शन लिया।

गुमानपुरा पुलिस ने हार्डकोर बदमाश असलम शेर चिंटू को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। प्रताप नगर बोरखेड़ा निवासी ओमेश सिंह ने असलम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था, जिसमें बताया था कि आरोपी ने पैसा लगाने के नाम पर उससे 29 लाख रुपए ले लिए लेकिन न तो असलम ने उसे रुपए वापस दिए और न ही माइंस का काम दिलाया।

पीड़ित ने अपने रुपए मांगे तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपी को पिछले दिनों पुलिस ने अपहरण और फिरौती मांगने के मामले में गिरफ्तार किया था। तब भी शॉपिंग सेंटर इलाके में पुलिस ने उसकी परेड कराई थी।

रोड पर अचानक बाइक के सामने आया सांड, 1 मौत

दो युवक गंभीर घायल, भरतपुर से नदबई आते समय हुआ हादसा

नदबई। नदबई के डहरा सड़क मार्ग पर एक ऑयल मील के पास बाइक के सामने अचानक आवारा सांड आने से दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए राजकीय उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना रात करीब 7:45 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, नदबई क्षेत्र के गांव बरौलीरान के निवासी अन्नू (25) पुत्र हंसराज, पंकज (24) पुत्र बृजेश और गांव खांगरी का निवासी आनंद (24) पुत्र सुरेश बाइक पर सवार होकर भरतपुर से नदबई आ रहे थे।

घायल अन्नू ने बताया कि रात करीब 7ः45 बजे डहरा सड़क मार्ग पर एक ऑयल मिल के पास उनकी बाइक के सामने अचानक आवारा सांड आ गया। आवारा सांड की चपेट में आने से बाइक सवार तीनों युवक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। तीनों घायलों को तुरंत अस्पताल लाया गया। अस्पताल में गांव खांगरी निवासी आनंद (24) को डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

धार्मिक स्थल पर पशु अवशेष डालने के लिए उकसाया,दो गिरफ्तार

मुख्य आरोपी को पहले पकड़ा, पूछताछ में दोनों का नाम आया सामने

भीलवाड़ा। एक धर्मस्थल के बाहर पशु अवशेष डालने के मामले में भीलवाड़ा पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले के मुख्य आरोपी को पहले ही पकड़ा जा चुका है।

एसपी राजन दुष्यंत ने बताया- कोतवाली थाना क्षेत्र में एक धर्म स्थल के बाहर रविवार को एक पशु अवशेष फेंकने के बाद शहर में तनाव की स्थिति बन गई थी। पुलिस ने मामले में इंदिरा कॉलोनी में रहने वाले निसार उर्फ बबलू पुत्र निसार मोहम्मद को पहले ही गिरफ्तार किया था।

पूछताछ के बाद उसके दो सहयोगी रईस (26) पुत्र युसुफ मोहम्मद और छोटु (38) पुत्र निसार मोहम्मद को गिरफ्तार किया गया। दोनों ने मुख्य आरोपी को वारदात करने के लिए उकसाया था। कोतवाली थाना प्रभारी राजपाल सिंह ने बताया- थाना क्षेत्र में 25 अगस्त को पशु अवशेष धार्मिक स्थल के बाहर फेंकने के मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। आरोपियों को पकड़ने वाली पुलिस टीम में कोतवाल राजपाल, हेड कॉन्स्टेबल मुकेश विजेन्द्र और कॉन्स्टेबल मनीष, कैलाश, प्रकाश शामिल थे।

नोखा में अजमीढ़ लूडो प्रतियोगिता का समापन

65 प्रतिभागी हुए शामिल, विजेताओं को किया सम्मानित

नोखा। नोखा में मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के तत्वावधान में अजमीढ़ लूडो प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में आयोजक मालचंद सहदेवड़ा ने बताया कि लूडो प्रतियोगिता में विजेता कैलाश सहदेवड़ा, उपविजेता कन्हैया लाल तोषावड, तीसरे स्थान घनश्याम डावांर रहे हैं। इस प्रतियोगिता में 64 सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर समाज गणमान्य नागरिक बंधु श्याम तोषावड, ओमप्रकाश सहदेवडा, महावीर जड़िया, हीरालाल केंडल, सुरेश सहदेवडा, गणपत मौसूण, रामदेव बूटण, करणी दान, धर्मचंद मौसूण, भंवर लाल बूटण, महेश डॉवर और सभी समाज के नागरिक बंधु मौजूद थे।

13 साल की लड़की से गैंगरेप

मां-भाई को मारने की धमकी देकर किया ब्लैकमेल, फोन देकर बार-बार बुलाया

बीकानेर। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में 13 साल की मासूम के साथ गैंगरेप का मामला सामना आया है। चार युवक पीड़ित का किडनैप कर लेकर गए थे। इसके बाद अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगे। वारदात के बारे में किसी को बताने पर उसकी मां और भाई को जान से मारने की धमकी दी। घटना 15 अगस्त की जा रही है। मामला अब दर्ज हुआ है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में परिजनों ने बताया- श्रीडूंगरगढ़ के एक गांव में 13 साल की लड़की को चार युवक परेशान कर रहे थे। पीड़ित के स्कूल आते-जाते समय युवक उसके छेड़छाड कर अश्लील फब्तियां कस रहे थे। ऐसा करीब एक महीने से चल रहा था। 15 अगस्त को युवक पिकअप में डालकर किडनैप कर ले गए और गैंगरेप किया।

आरोपियों ने जबरन एक फोन दिया और बुलाने लगे : आरोपियों ने पीड़ित के अश्लील फोटो और वीडियो बनाए। वारदात के बारे में किसी को बताने पर पीड़ित की मां व भाई को जान से मार देने की धमकी दी। आरोपियों ने पीड़ित को जरबन एक फोन भी दिया और बुलाने पर नहीं

आने पर उसके फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी दी। इससे पीडिता डर गई और आरोपी आए दिन उसे गाड़ी में डालकर छेड़छाड करने लगे। परेशान लड़की ने रविवार को अपने घर में बताया। इसके बाद चारों युवकों मोमाराम, आशाराम, गोपाल व डूंगरराम के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच सीओ श्रीडूंगरगढ़ करेंगे।

खेतों में बैठकर साइबर ठगी करते 9 आरोपी पकड़े

9 मोबाइल और फर्जी सिम बरामद, सेक्सटॉर्शन के जरिए करते थे ठगी

भरतपुर। डीग जिले की कामां थाना पुलिस ने 9 साइबर ठगों को पकड़ा है। उसमें से 4 युवक नाबालिग हैं। आरोपी सेक्सटॉर्शन के जरिए लोगों से ठगी करते थे। साइबर ठगों से 9 मोबाइल और फर्जी सिम बरामद किए गए हैं। पुलिस जैसे ही मुखबिर के बताई जगह पर पहुंची तो आरोपी खेतों में भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने खेतों में भागकर घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा।

कामां थाना अधिकारी मनीष शर्मा ने बताया कि गश्त के दौरान पुलिस की टीम को सूचना मिली थी कि पालड़ी के जंगलों में बैठकर कुछ युवक साइबर ठगी का काम कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जहां गांव से करीब 1 किलोमीटर दूर कुछ युवक मोबाइल चला रहे थे। जैसे ही युवकों ने पुलिस की टीम को देखा तो, वह खेतों भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर 9 युवकों को पकड़ा। पूछताछ में पता लगा की, 9 आरोपियों में से 4 युवक नाबालिग हैं। सभी की तलाशी ली गई जिनसे 9 मोबाइल और फर्जी सिम मिली। पूछताछ में आरोपियों ने बताया की सभी आरोपी सेक्सटॉर्शन के जरिए लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं और पुलिस के बड़े अधिकारी बनकर उनसे पैसे ऐंठते हैं। लोगों से ऐंठे गए रुपयों को फर्जी ऋरू कार्ड से निकालते हैं। आरोपियों से जब्त हुए मोबाइल में फर्जी आईडी मिली जिनसे सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाया हुआ था।

पर्युषण पर्व पर स्वाध्याय दिवस का आयोजन

साध्वी ने कहा- जीवन में दें अध्ययन को बढ़ावा, इससे आएगी नवीनता

नोखा। नोखा के महावीर चौक स्थित तेरापंथ भवन में पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन स्वाध्याय दिवस पर साध्वी राजीमती ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जीवन अध्ययन को बढ़ावा देना चाहिए।

हमें जितने अच्छे साहित्य पढ़ेंगे, हमारा जीवन उतना ही अच्छा होगा। हमारें विचारों में उतनी ही नवीनता और सकारात्मकता आएगी। साध्वी कुसुम प्रभा ने कहा कि स्वाध्याय का अर्थ स्व प्लस अध्याय अर्थात अपना अध्ययन करो और ज्ञान करो। निरंतर अच्छा साहित्य पढ़ने से भक्ति विवेक संपन्न ज्ञान संपन्न बन सकता है। इस अवसर पर श्रावक निष्ठा पत्र का उच्चारण श्रावक इंदरचंद बैद कवि ने सामूहिक करवाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग मौजूद रहे।

खटोला में 2 बीघा जमीन के विवाद में एक पक्ष ने दिन में ट्रैक्टर से फसल नष्ट की, रात में फायरिंग कर भागे आरोपी

बयाना। सदर थाना इलाके के गांव खटोला में दो बीघा जमीन के झगड़े को लेकर दो परिवार एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गए हैं। खटोला गांव में जमीनी विवाद को लेकर एक पक्ष ने अवैध हथियारों से लैस होकर दूसरे पक्ष के घर के बाहर आकर फायरिंग कर दी। और विवादित जमीन में खड़ी बाजरे की फसल को ट्रैक्टर से जोत दिया। घटना से गांव में तनाव फैल गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिसकर्मी और क्यूआरटी गांव में तैनात की गई है।

एक पक्ष के अशोक, सोमवीर, ओंकार, नरेश और दूसरे पक्ष के देवीसिंह, हंसराज आदि के बीच काफी समय से जमीनी विवाद चल रहा है। दोनों पक्ष दो बीघा जमीन को अपनी बता रहे हैं। इसे लेकर पूर्व में भी दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हो चुका है और एसडीएम कोर्ट से दोनों पक्षों को झगड़ा नहीं करने के लिए पाबंद भी किया हुआ है। विवाद को देख पुलिस ने विवादित जमीन पर रिसीवर नियुक्त करने के लिए एसडीएम कोर्ट में प्रार्थना पत्र भी दे दिया। लेकिन इस बीच हंसराज पक्ष ने विवादित जमीन को जोतकर फसल बो दी। इसके बाद बीती 22 अगस्त को फिर से दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों की ओर से थाने में क्रॉस केस भी दर्ज हुए।

विवाद को लेकर रविवार देर रात दोनों पक्ष फिर आमने सामने हो गए। हंसराज पक्ष का आरोप है कि रात को दूसरे पक्ष के अशोक, सोमवीर, ओंकार, नरेश सहित करीब 4 दर्जन लोग हाथों में लाठी-डंडे और बंदूके लेकर उनके घर के बाहर आ गए और फायरिंग की । उसके बाद सुबह खेत में खड़ी बाजरे की फसल को ट्रैक्टर चलाकर नष्ट कर दिया। बयाना. ट्रैक्टर में सवार होकर जाते आरोपी।

सदर थाना एसएचओ बलराम यादव ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे के खिलाफ क्रॉस केस दर्ज कराए गए थे। पाबंदी के बावजूद हंसराज पक्ष ने विवादित जमीन को जोतकर बुवाई कर दी थी। इससे नाराज ओंकार पक्ष ने हंसराज पक्ष के घर के बाहर रात को बंदूकों से फायरिंग कर दी थी। इसके बाद सुबह ट्रैक्टर से विवादित जमीन पर बोई गई फसल को नष्ट कर दिया। फिलहाल ट्रैक्टर और दो बाइकों को जब्त किया गया है। आरोपी पक्ष के लोग गांव के पास पहाड़ी पर बने बीहड़ों में जाकर छुप गए हैं। जिनकी तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लेंगे।

कार के टायर और शीशे खोल ले गए चोर

जवाहर नगर कॉलोनी की घटना, कार मालिक ने दर्ज कराई एफआईआर

भरतपुर। जवाहर नगर कॉलोनी में घर के बाहर खड़ी कार के बदमाश टायर और शीशे खोलकर ले गए। सुबह जब कार मालिक परिवहन इंस्पेक्टर घर से बाहर आए तो देखकर हैरान रह गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जवाहर नगर निवासी शिवराम यादव परिवहन विभाग में इंस्पेक्टर हैं। उन्होंने बताया कि रोजाना की भांति 30 अगस्त को घर के बाहर कार खड़ी की थी। सुबह जब वह घर से बाहर आए तो दंग रह गए। कार के आगे का टायर रिम समेत गायब था। उसकी इसके अलावा चोर आगे के दोनों साइड के शीशे भी खोलकर ले गए । बदमाशों ने कार को खोलने का भी प्रयास किया था। इस वजह से लॉक भी काम नहीं कर रहे हैं।

जैसलमेर में दलित युवती के साथ हुआ गैंगरेप पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की शुरू

द पुलिस पोस्ट

जैसलमेर के महिला पुलिस थाना में एक युवती ने अपने साथ गैंगरेप होने का मामला दर्ज करवाया है। युवती ने 28 अगस्त की रात 5 युवकों द्वारा जैसलमेर लाकर किसी जगह पर नशा करवाकर रेप करने का आरोप लगाया है। महिला थाना में दलित युवती के साथ गैंगरेप का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार युवती जैसलमेर के सदर थाना क्षेत्र के एक गांव में पढ़ाई कर रही है और युवती उस गांव में ही कमरा किराये पर लेकर अकेली रहती है। युवती ने 5 युवकों पर जैसलमेर के किसी गांव से जैसलमेर शहर लाकर नशा करवाकर उसके साथ गैंगरेप का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि पांचों युवक जैसलमेर के ही उसी गांव के निवासी है। प्रियंका कुमावत ने बताया कि हमने मामला दर्ज कर लिया है और एएसपी राजेश शर्मा इस मामले की जांच कर रहे हैं।

पुलिस ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार, 1 की तलाश जारी

परिजनों द्वारा पुलिस को इसकी जानकारी देने के बाद बुधवार को महिला थाना पुलिस में युवती के साथ गैंगरेप का मामला दर्ज करवाया गया है। गैंगरेप मामले की जांच एएसपी राजेश शर्मा कर रहे हैं। राजेश शर्मा ने बताया कि हम मामले की गंभीरता के साथ जांच कर रहे हैं और जो भी इसमें दोषी है उसमे 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया हैं और 1 की तलाश जारी हैं, उसको जल्द से जल्द गिरफ्तार करेंगे।

अत्यधिक नशे की हालत में मिली पुलिस को

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका कुमावत ने बताया कि 2 सितंबर की शाम को एक युवती के अत्यधिक नशे में सड़क पर बैठे होने की सूचना ग्रामीणों के माध्यम से मिली थी जिसपर पुलिस थाना सदर द्वारा मौके पर जाकर जानकारी की गई। इसके पश्चात जिस संस्थान में युवती अध्ययनरत हैं वहां से प्रिंसिपल को साथ लेकर पीएचसी ले जाया गया और वहां से एएनएम को साथ लेकर जिला अस्पताल लाया गया जहां युवती का मेडिकल करवाया गया। मगर अत्यधिक शराब का सेवन करने से भारी नशे में होने पर उस समय युवती के बयान नहीं लिए जा सके। जिस कारण रात्रि में पूरी सुरक्षा के साथ युवती को वन स्टॉप सखी सेंटर को सुपुर्द किया गया। दूसरे दिन युवती की काउंसलिंग की गई और बयान दर्ज किए गए। जिसमे युवती ने बताया था कि वो अपने दोस्तों के साथ जैसलमेर घूमने आई थी जहां रास्ते में गाड़ी में ही उसने दोस्तों के साथ शराब का सेवन किया था जिसके बाद उसके दोस्त उसे अपने निवास से 200 मीटर दूर गाड़ी से उतार कर चले गए मगर नशे के कारण वो अपने निवास तक जा नहीं पाई। चूंकि मामला गंभीर प्रवृति का हैं और युवती ठीक से बयान नहीं कर पा रही थी इसलिए साथ ही फोन से उसके परिजनों को भी सूचना दी गई। इसलिए युवती को सखी सेंटर में ही रखा गया। युवती के पिता और भाई के आने पर उनकी उपस्थिति में दुबारा युवती की काउंसलिंग की गई और बयान लिए गए जिस पर युवती ने लिखित रिपोर्ट पेश की कि उसके साथ 28 अगस्त को 5 युवकों द्वारा गैंग रैप किया गया हैं। जिस पर रिपोर्ट लेकर पुलिस द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला, हिरासत में 15 लोग

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये के इजमिर में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया गया। हमलावर कुछ युवक थे जो दक्षिणपंथी तुर्की युवा समूह के सदस्य हैं। स्थानीय गवर्नर के कार्यालय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमले में शामिल 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। तुर्किये के युवा संघ (टीजीबी) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा, हमने अमेरिका के सबसे बड़े हमलावर जहाज यूएसएस वास्प पर तैनात अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया। अमेरिकी सैनिकों के हाथ हमारे सैनिकों और हजारों फिलिस्तीनियों के खून से सने हुए हैं। इसलिए वे हमारे देश को अपवित्र नहीं कर सकते। जब भी आप इस जमीन पर कदम रखेंगे। हम आपका ऐसा ही स्वागत करेंगे, जिसके आप हकदार हैं। टीजीबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना का वीडियो भी शेयर किया है। वहीं, तुर्किये स्थित अमेरिकी दूतावास ने हमले की पुष्टि की और कहा कि सैनिक अब सुरक्षित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, हम उन रिपोर्टों की पुष्टि करते हैं कि अमेरिका वास्प पर सवार अमेरिकी सेवा सदस्य आज इजमिर में हुए हमले के शिकार हुए थे, लेकिन अब वह सुरक्षित हैं। हम तुर्किये अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं, उन्होंने इसमें तत्काल कार्रवाई की। तुर्किये मीडिया रिपोर्टों ने इजमिर गवर्नर के कार्यालय के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रवादी पार्टी की युवा विंग के सदस्यों ने कोनक सिटी में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया। उन्होंने बयान में कहा कि घटना के बाद पांच अमेरिकी सैनिकों ने हस्तक्षेप किया। सभी 15 हमलावरों को हिरासत में लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पोप फ्रांसिस ने शुरू की अपनी सबसे लंबी यात्रा, सर्वप्रथम पहुंचे इंडोनेशिया

जकार्ता, एजेंसी। पोप फ्रांसिस अपनी सबसे लंबी यात्रा की शुरुआत में मंगलवार को इंडोनेशिया पहुंचे और इस दौरान उनके कैथोलिक समुदाय को प्रोत्साहित करने तथा दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देश में अंतरधार्मिक सद्भाव की परंपरा को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। पोप फ्रांसिस के रोम से रात भर की विमान यात्रा के कारण मंगलवार को जकार्ता में विश्राम करने की योजना है। वह पापुआ न्यू गिनी, ईस्ट टिमोर और सिंगापुर भी जाएंगे। बहरहाल, वेटिकन ने कहा कि 87 वर्षीय पोप मंगलवार को जकार्ता में वेटिकन आवास में शरणार्थियों, प्रवासियों और बीमार व्यक्तियों के एक समूह से मुलाकात करेंगे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने पोप का स्वागत करते हुए एक बयान में कहा, ''इंडोनेशिया और वेटिकन की शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने के साथ-साथ मानवता के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए समान प्रतिबद्धता है। फ्रांसिस बृहस्पतिवार को जकार्ता की ऐतिहासिक इस्तिकलाल मस्जिद में एक अंतरधार्मिक बैठक में भाग लेंगे जिनमें इंडोनेशिया में आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त छह धर्मों - इस्लाम, बौद्ध, कन्फ्यूशीवाद, हिंदू, कैथोलिक धर्म और प्रोटेस्टेंटवाद के प्रतिनिधि भाग लेंगे। पोप पॉल षष्टम के 1970 और संट जॉन पॉल द्वितीय के 1989 में इंडोनेशिया की यात्रा के बाद फ्रांसिस इस देश की यात्रा करने वाले तीसरे पोप हैं। यह ईसाई-मुस्लिम संवाद और कैथोलिक व्यवसायों दोनों के संदर्भ में वेटिकन के लिए इंडोनेशिया के महत्व को रेखांकित करता है।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में आत्मघाती हमला, 6 लोगों की मौत ; 13 घायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पास सोमवार को एक आत्मघाती हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। काबुल के पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता खालिद जादरान ने बताया कि विस्फोट काबुल के दक्षिण-पश्चिमी काला बख्तियार इलाके में हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों में एक महिला भी शामिल है, जबकि 13 लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और अभी तक किसी ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जारदान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, आज दोपहर एक व्यक्ति अपने शरीर विस्फोटक बांधकर विस्फोट कर दिया। दुर्भाग्य से एक महिला समेत छह नागरिक मारे गए और 13 अन्य घायल हो गए।

विदेशों में भी हनुमान चालीसा की गूंज, दक्षिण अफ्रीका में 10 लाख प्रतियां बांट रहा हिंदू संगठन

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। अब विदेशों में भी हनुमान चालीसा की गूंज सुनने को मिलेगी। दक्षिण अफ्रीका में एक प्रमुख हिंदू संगठन ने हनुमान चालीसा की 10 लाख प्रतियां मुफ्त बांट रहा है। संगठन का लक्ष्य अगले पांच वर्ष में छोटे आकार की प्रतियां लोगों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। हनुमान चालीसा की यह प्रति जेब या पर्स में भी रखी जा सकती है। इसे दुनियाभर में सबसे छोटी प्रति माना जा रहा है। बीते शनिवार को विष्णु मंदिर में 'दान उत्सव के दौरान इसके वितरण की शुरुआत हुई। 'एसए हिंदूज' नामक संगठन की संस्थापक पंडित लूसी सिगाबन ने कहा, हमने आध्यात्मिक विकास, सामुदायिक सेवा और सांस्कृतिक संरक्षण का उत्सव मनाने के लिए दक्षिण अफ्रीका के एक दर्जन से अधिक धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान हनुमान चालीसा की प्रति के प्रकाशक शेरेनो प्रिंटर्स के मालिक निरन सिंह को सम्मानित भी किया गया। कुछ साल पहले जोहानिसबर्ग में करीब 35 भजन मंडलियों ने मिलकर लगातार 12 घंटे तक भजन गाया था। इसमें भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी गायिका वंदना नारन ने छह धुनों पर हनुमान चालीसा गाई। ये धुनें अलग-अलग उम्र के लोगों के अनुसार बनाई गई थीं।

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश को दरकिनार कर मंगोलिया पहुंचे पुतिन, मिला गार्ड ऑफ ऑनर

उलानबटार /मॉस्को, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश को दरकिनार कर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को मंगोलिया के दो दिवसीय दौरे पर राजधानी उलानबटार पहुंच गए। मंगोलिया पहुंचने पर राष्ट्रपति पुतिन को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मंगोलिया के इस कदम को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश के उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है।

आईसीसी ने पुतिन के खिलाफ जारी किया था गिरफ्तारी वारंट यूक्रेन पर हमले और यूक्रेन के सैकड़ों बच्चों को अनाथालयों और बाल गृहों से रूस लाने, जिससे रूस में रह रहे परिवार उन्हें गोद ले सकें। हालांकि, रूस ने इन आरोपों को खारिज किया है और आईसीसी की वैधानिकता पर ही सवाल उठा दिया है। इन आरोपों में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके तहत आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय) के सभी सदस्य देशों को इस गिरफ्तारी वारंट का पालन करना था और रूसी राष्ट्रपति के उनके देश पहुंचने पर उन्हें गिरफ्तार करना था। यूक्रेन और कई मानवाधिकार संगठनों ने भी मंगोलिया की सरकार से आईसीसी के आदेश का पालन करने और पुतिन को हिरासत में लेने की अपील की थी। हालांकि राष्ट्रपति पुतिन के मंगोलिया में स्वागत को देखते हुए साफ लगता है कि मंगोलिया ने आईसीसी के आदेश को दरकिनार कर दिया है। रूस और चीन के साथ मंगोलिया के हैं अच्छे संबंध पुतिन को हालांकि मंगोलिया पहुंचने पर कुछ मानवाधिकार समर्थकों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। हालांकि मंगोलिया की सरकार ने पुतिन को पूरा सम्मान दिया। मंगोलिया में चंगेज खान के स्मारक को मंगोलिया और रूस के झंडे से रंग दिया गया। मंगोलिया एक लोकतांत्रिक देश है, जिसके रूस और चीन दोनों से अच्छे संबंध हैं।

मंगोलिया के रूस के साथ सांस्कृतिक संबंध हैं, वहीं चीन के साथ व्यापारिक संबंध हैं। सोवियत संघ के समय मंगोलिया, मॉस्को के प्रभाव में था और जब साल 1991 में सोवियत संघ टूटा तो मंगोलिया ने रूस के साथ ही चीन के साथ भी अपने संबंधों को तवज्जो दी। रूसी मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगोलिया दौरे पर रूस-मंगोलिया कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप सहित द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। 2019 के बाद से पुतिन की यह पहली मंगोलिया यात्रा भी है। मंगोलिया और रूस के बीच रिश्ते मंगोलिया रूस और चीन के बीच कम आबादी वाला एक देश है और वह ईंधन एवं बिजली के लिए रूस पर एवं अपने खनन उद्योग में निवेश के लिए चीन पर काफी हद तक आश्रित है। सोमवार रात पहले जब पुतिन उलानबटार पहुंचे तो उनका भव्य स्वागत किया गया। पुतिन की पांच साल में देश की पहली यात्रा के लिए मंगलवार को मंगोलियाई और रूसी झंडों से राजधानी उलानबटार को सजाया गया।

उत्तरी फिलीपीन में तूफान का कहर: बाढ़ और भूस्खलन से 14 लोगों की गई जान

मनीला, एजेंसी। उत्तरी फिलीपीन में मंगलवार को जबरदस्त तूफान के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। आपदा प्रतिक्रिया अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौसम ब्यूरो के अनुसार, उष्णकटिबंधीय तूफान 'यागी इलोकोस नोर्टे प्रांत के पाओय शहर से होते हुए दक्षिण चीन सागर में 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टकराया और इसकी रफ्तार 125 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। समुद्र से उत्तर-पश्चिम की दिशा में दक्षिणी चीन की तरफ बढ़ने के दौरान 'यागी के चक्रवाती तूफान का रूप अख्तियार करने की आशंका है। उत्तरी फिलीपीन के अधिकतर प्रांतों में तूफान की चेतावनी बरकरार रही, जहां लोगों को बारिश से प्रभावित पहाड़ी गांवों में भूस्खलन और देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र लूजोन के निचले इलाकों में बाढ़ के खतरे के प्रति सतर्क किया गया। स्थानीय स्तर पर 'एनटेंग नाम से जाने जाने वाले 'यागी तूफान से फिलीपीन में मानसूनी बारिश में तेजी आई है। घनी आबादी वाले मनीला और लूजोन में

मूसलाधार बारिश के कारण मंगलवार को भी स्कूल और सरकारी कार्यालय बंद रहे। एंटिपोलो के आपदा न्यूनीकरण अधिकारी एनरिलिटो बर्नार्डो जूनियर ने बताया कि उत्तरी और मध्य प्रांतों में भूस्खलन, बाढ़ और नदियों में उफान के कारण कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मनीला के पश्चिम में स्थित रोमन कैथोलिक तीर्थ नगरी और पर्यटन स्थल एंटिपोलो की एक गर्भवती महिला शामिल है। बर्नार्डो ने बताया कि बाढ़ में कई घर बह जाने के कारण चार ग्रामीणों के लापता होने की खबर है। तूफान के मद्देनजर समुद्री यात्रा पर रोक और 34 उड़ानों को रद्द किए जाने के कारण सोमवार को बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर हजारों यात्री फंस गए। राजधानी में नवोटास बंदरगाह के पास मनीला खाड़ी में खड़े प्रशिक्षण जहाज 'एम/वी कामिला को एक अन्य जहाज ने टक्कर मार दी, जिसने तेज लहरों के कारण संतुलन खो दिया था। फिलीपीन के तटरक्षक बल ने कहा कि टक्कर से 'एम/वी कामिला का नियंत्रण कक्ष क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई, जिसके बाद उस पर सवार 18 कैडेट और चालक दल के सदस्यों को जहाज छोड़ना पड़ा।

फिलाडेल्फी कॉरिडोर पर आईडीएफ की तैनाती इजरायल के लिए रणनीतिक जरूरत : नेतन्याहू

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि गाजा-मिस्र बॉर्डर पर फिलाडेल्फी कॉरिडोर पर इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) को तैनात रखना देश की सुरक्षा के लिए रणनीतिक जरूरत और अनिवार्य है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार देर रात एक बयान में कहा कि 14 किमी लंबी ये जमीन की पट्टी इजरायल के लिए अपने युद्ध उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि फिलाडेल्फी कॉरिडोर हमास को हथियार मुहैया कराने का एक मुख्य रास्ता है। 2005 के विघटन के बाद इजरायल ने मिस्र के साथ एक सीमा को छोड़कर गाजा की सभी सीमाओं को नियंत्रित किया। इसी सीमा के माध्यम से हथियार गाजा पट्टी तक पहुंचे और हमास के लोगों को हथियार दिए गए। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल को यह सुनिश्चित करने के लिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण रखना चाहिए कि हथियारों की तस्करी न हो। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि हमास को वीकेंड में गाजा सुरंग में छह बंधकों की कथित हत्या के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। नेतन्याहू ने कहा, इजरायल इस नरसंहार को नजरअंदाज नहीं करेगा। हमास को इसकी बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आईडीएफ ने रविवार को कहा था कि दक्षिणी गाजा के राफा क्षेत्र में एक अंडरग्राउंड सुरंग में शनिवार को दो महिलाओं और चार पुरुषों के शव मिले थे। आईडीएफ

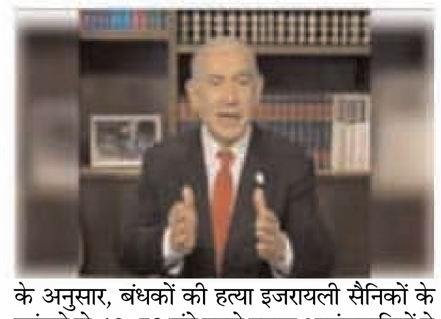

के अनुसार, बंधकों की हत्या इजरायली सैनिकों के पहुंचने से 48-72 घंटे पहले हमास आतंकवादियों ने की थी। इस बीच, हमास ने एक प्रेस बयान में साफ किया कि शव इजरायली सेना को राफा में एक सुरंग में मिले थे। उन्होंने यह भी कहा कि वे इजरायली गोलाबारी में मारे गए। इजरायल में रविवार और सोमवार को लाखों इजरायली लोगों ने रैली निकाली। उन्होंने मांग की कि नेतन्याहू गाजा में बंधकों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए हमास के साथ युद्ध विराम पर बातचीत करें। बता दें कि हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर अचानक हमला किया था। हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 अन्य को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद से ही इजरायल की सेना हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला कर रही है।

दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नई योजना का किया ऐलान

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को एक नई विश्वसनीय टूर ऑपरेटर योजना (टीटीओएस) के निर्माण की घोषणा की। इसका शुरुआती फोकस भारत और चीन के उभरते पर्यटन बाजारों पर होगा। देश के गृह विभाग ने कहा कि जनवरी 2025 से लागू की जाने वाली इस योजना से वीजा प्रणाली में सुधार होगा और पर्यटन क्षेत्र में रोजगार में तेजी आने की उम्मीद है। टीटीओएस दक्षिण अफ्रीका को दुनिया की दूसरी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक पसंदीदा पर्यटन स्थल बनने के रास्ते में आने वाली कुछ प्रमुख बाधाओं को दूर कर देगा।

देश की सरकार के अनुसार, फिलहाल दक्षिण अफ्रीका आने वाले सभी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों में भारतीय पर्यटकों की संख्या केवल 3.9 प्रतिशत है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पर्यटन विभाग, साथ ही प्रेसीडेंसी और ऑपरेशन वुलिंडलेला के सहयोग से, गृह मंत्रालय ने इन दो प्रमुख बाजारों से पर्यटन के लिए बाधाओं को तत्काल दूर करने का संकल्प लिया है। इसमें कहा गया है, विश्वसनीय नियोक्ता योजना (टीईएस) के सकारात्मक प्रभाव को देखने के बाद, जो महत्वपूर्ण कौशल को आकर्षित करने के लिए जांचे-परखे और अनुमोदित व्यवसायों को त्वरित और सरलीकृत वीजा प्रसंस्करण सेवाएं प्रदान करती है, गृह मंत्री लियोन श्रेइबर ने निर्देश दिया कि लालफीताशाही को कम करने और भारत और चीन जैसे गैर-वीजा छूट वाले देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए दक्षता में सुधार करने के लिए समान सिद्धांत को लागू किया जाना चाहिए। टीटीओएस के

माध्यम से, दोनों देशों के सत्यापित और अनुमोदित टूर ऑपरेटरों को विभाग में पंजीकरण के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

पूरी तरह से स्क्रीनिंग से गुजरने और अपने समूहों में यात्रियों की जिम्मेदारी संभालने के बदले में विभाग पहली बार अनुमोदित ऑपरेटरों के साथ यात्रा करने वाले भारतीय और चीनी पर्यटकों के समूह आवेदनों पर कार्रवाई करेगा।

टीटीओएस के माध्यम से संसाधित किए जाने वाले पर्यटक वीज़ा आवेदनों को निर्णायकों की एक समर्पित और कुशल टीम द्वारा संभाला जाएगा, ताकि त्वरित और विश्वसनीय प्रसंस्करण सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही प्रतिबंधात्मक लालफीताशाही को भी हटाया जा सकेगा, जो वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका की पर्यटन क्षमता को प्रभावित कर रही है।

सरकारी टीचर की तबीयत बिगड़ी,हॉस्पिटल में मौतः

एक दिन पहले ही कोटा से लौटा था, पुलिस बोली- परिजनों के आने पर करेंगे कार्रवाई

द पुलिस पोस्ट

बाड़मेर। बाड़मेर में सरकारी टीचर की अचानक तबीयत बिगड़ गई। साथी उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई। घटना बाड़मेर जिले के रामसर थाना इलाके के गागरिया गांव की है। जानकारी पर पुलिस हॉस्पिटल पहुंची और शव को मॉच्युर्री में रखवाया। घटना की जानकारी परिजनों को दी गई, जिनके रिपोर्ट देने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। रामसर थाने के हेड कॉन्स्टेबल नींबाराम ने बताया- कोटा निवासी भानुप्रकाश मेहरा (33) बाड़मेर जिले के गागरिया चाड़वा-तख्तावाद की सरकारी सीनियर स्कूल में टीचर पद पर कार्यरत है। वह मंगलवार की सुबह कोटा से बाड़मेर ड्यूटी पर आया था। मंगलवार शाम को गागरिया में अपने साथी टीचरों के साथ किराए के मकान में चले गए थे। हालांकि प्रारंभिक तौर पर हॉर्ट अटैक होने की संभावना है, लेकिन जांच के बाद ही स्थिति साफ होने की संभावना है। रात को खाना खाकर के बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उसके साथी उसे गागरिया हॉस्पिटल लेकर आए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बाड़मेर रेफर कर दिया गया। इस दौरान डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर रामसर पुलिस हॉस्पिटल पहुंची। शव को हॉस्पिटल की मॉच्युर्री में रखवाकर परिजनों को सूचना दी। हेड कॉन्स्टेबल नींबाराम ने बताया कि टीचर के परिजन कोटा से आ रहे है। उनके आने के बाद जैसी रिपोर्ट देंगे। उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच की जा रही है। टीचर एक दिन पहले ही छुट्टी से गागरिया आया था। टीचर के दो बच्चे हैं।

सात दिन पहले करवाई थी जांच, सबकुछ नॉर्मल आया

साथी टीचर नरेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया- भानुप्रकाश ग्रेड थर्ड के टीचर थे। 26 अगस्त को उनकी तबीयत खराब हुई थी। तब उन्होंने गागरिया हॉस्पिटल में इलाज करवाया, उसमें सबकुछ नॉर्मल आया था। 27 अगस्त को वे बस से कोटा चल गए थे। वहां पर इको, एउऋ की जांच करवाई थी, उन जांचों की सभी रिपोर्ट भी नॉर्मल थी। उन्होंने बताया कि भानुप्रकाश मंगलवार की सुबह कोटा से बाड़मेर के गागरिया स्कूल पहुंचे थे। यहां रात को तबीयत खराब हुई। फिर डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर हॉर्ट अटैक की संभावना है, हालांकि जांच के बाद ही सबकुछ क्लियर हो सकेगा।

राजस्थान में 50 हजार से ज्यादा मौतें हो रहीं

आईसीएमआर की ताजा स्टडी रिपोर्ट बताती है कि भारत में 4 करोड़ मरीज दिल की बीमारी के हैं। हर साल 7 लाख लोगों की हार्ट अटैक से मौत हो जाती है। राजस्थान में यह आंकड़ा सालाना 50 हजार है। डॉक्टर इसका सबसे बड़ा कारण डायबिटीज को मानते हैं। इंग्लैंड की जनसंख्या के बराबर देश में 8 करोड़ डायबिटीज के मरीज हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि अगर हार्ट अटैक से बचना है तो डायबिटीज को कंट्रोल रखना होगा।

कम उम्र में क्यों आ रहे हार्ट अटैक

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, हर साल करीब 6 करोड़ लोगों की मौत होती है। इनमें से लगभग 32% मौतों की वजह कार्डियोवस्कुलर डिजीज है। यह बीमारी दुनिया में सबसे अधिक मौतों की वजह बनती है। हर साल लगभग पौने दो करोड़ लोग किसी-न-किसी हार्ट डिजीज के कारण जान गंवा रहे हैं। पहले हार्ट डिजीज के ज्यादातर पेशेंट 60 साल से अधिक उम्र के होते थे। अब नई समस्या ये है कि बीते कुछ सालों में 30 साल से कम उम्र के लोग भी इसका शिकार बन रहे हैं। कोविड के बाद से तो जैसे हार्ट अटैक के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं।

कम उम्र में हार्ट अटैक के क्या हैं रिस्क फैक्टर्स?

लंबे अरसे तक माना जाता रहा कि उम्र के साथ हमारा दिल भी बूढ़ा होता जाता है। इसलिए उम्र बढ़ने के साथ हार्ट डिजीज के मामले भी बढ़ जाते हैं। लेकिन बीते सालों में युवाओं को हो रहे हार्ट अटैक और स्ट्रोक्स ने सबको चौंकाया है।

अनहेल्दी लाइफ स्टाइल आजकल ज्यादातर बीमारियों की जड़ अनहेल्दी लाइफस्टाइल है। देर रात तक जागना, सुबह देर से उठना, एक्सरसाइज न करना, खाने में फास्ट फूड और तली-भुनी चीजें खाना। इसके कारण डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, ओबिसिटी जैसी लाइफस्टाइल डिजीज होती हैं, जो आगे चलकर हार्ट अटैक का कारण बनती हैं।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर हार्ट अटैक के सबसे बड़े रिस्क फैक्टर्स में से एक है। असल में ब्लड प्रेशर हाई होने का मतलब है कि ब्लड फ्लो में कोई समस्या है तो हार्ट को इसका फ्लो बरकरार रखने के लिए पंपिंग तेज करनी पड़ रही है। इससे ब्लड वेसल्स डैमेज होती हैं, दिल थक रहा होता है। जो कभी भी हार्ट अटैक या अरेस्ट की वजह बन सकता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल लेवल

कोलेस्ट्रॉल हमारी ब्लड वेसल्स में जमा गाढ़े फैट की तरह है, जो खून की आवाजाही को बाधित करता है। इसके कारण ब्लड प्रेशर बढ़ता है। हार्ट को खून पंपिंग में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इसका लेवल जितना बढ़ता है, हार्ट अटैक के चांसेज भी उतने ही बढ़ते जाते हैं।

फैमिली हिस्ट्री

ब्रिटेन स्थित द हार्ट फाउंडेशन के मुताबिक, अगर किसी व्यक्ति के पेरेंट्स या भाई-बहन को 60 साल से कम उम्र में हार्ट अटैक हुआ है तो उसे दूसरों के मुकाबले कम उम्र में हार्ट अटैक की आशंका अधिक होती है।

स्मोकिंग

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश साल 2016 की एक स्टडी के मुताबिक, बच्चों और युवाओं में हार्ट अटैक के बड़े रिस्क फैक्टर्स में एक स्मोकिंग भी है। भारत सरकार के नेशनल सैंपल सर्वे के मुताबिक भारत में 10 से 14 साल के 2 करोड़ बच्चों को तंबाकू और सिगरेट के लत है। स्मोकिंग से हमारे फेफड़े और ब्लड वेसल्स कमजोर पड़ते हैं, जो हार्ट अटैक का बड़ा कारण हैं।

डायबिटीज

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के मुताबिक, जिन लोगों को डायबिटीज है, उनमें हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा बढ़ जाता है। ये दोनों ही फैक्टर दिल की सेहत के लिए खतरनाक हैं। असल में डायबिटीज के कारण ब्लड वेसल्स कमजोर पड़ जाती हैं, हार्ट की मसल्स भी कमजोर हो जाती हैं। ऐसे में दूसरे ट्रिगर पॉइंट्स मौत के मुंह तक ले जाते हैं।

ओबिसिटी

मोटापा ऐसी कॉम्प्लेक्स डिजीज है, जो कई लाइफ स्टाइल बीमारियों की वजह बनती है। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, स्ट्रेस जैसी सभी लाइफस्टाइल डिजीज दिल की सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक हैं।

कोविड इंफेक्शन इफेक्ट्स

कोरोना वायरस ने हमारे फेफड़ों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। इसने किडनी और ब्लड वेसल्स को भी कमजोर किया है। इसका सीधा असर हार्ट पर पड़ता है। यही कारण है कि कोविड इंफेक्शन के बाद बच्चों और युवाओं में कोरोना के मामले ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। कई स्टडीज ने तो यहां तक बताया है कि इन दिल के दौरों के पीछे जीवन दायिनी कोविड वैक्सीन भी बड़ी वजह है।

बिजली कटौती पर लोग परेशानःआनंदपुरी में लोगों ने सड़क पर किया प्रदर्शन,नाराजगी अघोषित कटौती की

द पुलिस पोस्ट

बांसवाड़ा। आनंदपुरी उपखंड क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने सड़क जाम करते हुए प्रदर्शन किया। बिजली विभाग कार्यालय में सभी कार्मिकों को बाहर निकाल कर कार्यालय भी बंद कर दिया। दरअसल, क्षेत्र में इन दिनों अघोषित बिजली कटौती को लेकर क्षेत्र भर के उपभोक्ता परेशान हैं करीब एक घंटे तक क्षेत्र भर के उपभोक्ताओं ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पुलिस मौके पर पहुंची और उपभोक्ताओं से समझाइश की। ग्रामीण उपभोक्ता मौके पर बिजली विभाग के सहायक अभियंता को बुलाने की मांग पर अडे रहे। एक घंटे तक सड़क जाम और प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों ने सड़क से हट कर कार्यालय में पहुंचे। यहां सहायक अभियंता अजय सिंह के पहुंचने पर ग्रामीणों ने खरी-खोटी सुनाई। सहायक अभियंता ने बताया कि चौरड़ी लाइन से इंसुलेटर पंचर होने व फाल्ट नहीं मिलने से बिजली कटौती रही। ग्रामीणों ने कस्बे के लाइन मैन महेश धाकड़ को हटाने की मांग की।

प्रतापगढ़ में पांच लाख सदस्य बनाएगी भाजपा:पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरूआत, घर-घर जाएंगे कार्यकर्ता

द पुलिस पोस्ट

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में एक महीने के अंदर एक करोड़ नए सदस्य बनाएगी। इसके लिए पार्टी ने सदस्यता अभियान की शुरू किया है। जिसके तहत प्रतापगढ़ जिले में 5 लाख सदस्य बनाए जाएंगे। यह बात बुधवार को प्रतापगढ़ में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता घर-घर पहुंचेगे और लोगों को भाजपा से जोड़ेंगे। इससे पूर्व गरासिया का प्रतापगढ़ पहुंचने पर भाजपा कार्यकताओं की ओर से स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने नगर परिषद में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतापगढ़ जिले में एक महीने के अंदर 5 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य है। बूथ कार्य समिति के सदस्य परिवारों के बीच जाकर उन्हें भाजपा की रीति नीति से अवगत कराएंगे युवाओं महिलाओं और पुरुषों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाएंगे। इस मौके भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल कुमावत और जिला महामंत्री गजेंद्र चंडालिया भी मौजूद थे।

भजनलाल सरकार कृषकों की राह कर रही आसान,किसानों को कृषि यंत्र खरीद पर मिलेगा 50 प्रतिशत तक अनुदान

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा, खेतीद्दकिसानी में कृषकों द्वारा बुआई, जुताई और बिजाई जैसे कठोर कार्य किये जाते हैं। इन्हीं कार्यो को सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के प्रावधानों के अन्तर्गत किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों पर अनुदान देकर लाभान्वित किया जायेगा, जिससे किसानों पर आर्थिक भार कम पडेगा और कृषि कार्य आसान हो जायेंगे साथ ही किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। कृषि आयुक्त श्री कन्हैया लाल स्वामी ने बताया कि योजना के अन्तर्गत राज्य में लगभग 66 हजार किसानों को 200 करोड़ रुपए का अनुदान दिये जाने का प्रावधान रखा गया है। इसके लिए कृषक 13 सितम्बर तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रों पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, लघु, सीमान्त एवं महिला किसानों को ट्रेक्टर की बीएचपी के आधार पर लागत का अधिकतम 50 प्रतिशत तक तथा अन्य श्रेणी के कृषकों को लागत का अधिकतम 40 प्रतिशत तक अनुदान दिया जायेगा। लघु एवं सीमान्त श्रेणी के किसानों को ऑन-लाईन आवेदन से पूर्व जन आधार में लघु एवं सीमान्त श्रेणी जुड़वाना आवश्यक है, आवेदन के दौरान उक्त प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। कृषि आयुक्त ने बताया कि राज किसान साथी पोर्टल पर ई-मित्र के माध्यम से जनाधार कार्ड, जमाबंदी की नकल, कृषि यंत्र का कोटेशन आदि दस्तावेजों की सहायता से ऑन-लाईन आवेदन कर सकते हैं। किसानों को राज्य में प्रचलित ट्रैक्टर संचालित सभी प्रकार के कृषि यंत्र जैसे रोटावेटर, थ्रेसर, कल्टीवेटर, बंडफार्मर, रीपर, सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, डिस्क हेरो, प्लॉउ आदि यंत्रों पर अनुदान दिया जायेगा। किसान द्वारा कृषि यंत्रों को पंजीकृत फर्म से खरीदने तथा सत्यापन के बाद अनुदान उनके जनाधार से जुड़े बैंक खाते में हस्तान्तरित किया जायेगा।

एक जन आधार पर होगा एक आवेदन

एक किसान को एक प्रकार के कृषि यंत्र पर तीन वर्ष की कालावधि में केवल एक बार अनुदान दिया जायेगा। किसानों को वित्तीय वर्ष में एक ही कृषि यंत्र पर अनुदान दिया जायेगा। प्रशासनिक स्वीकृति जारी करने से पूर्व खरीदे गये पुराने कृषि यंत्रों पर अनुदान नही दिया जायेगा। एक जन आधार द्वारा एक ही आवेदन स्वीकार होगा कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए किसान के नाम भूमि और ट्रेक्टर चलित यंत्र पर अनुदान के लिए ट्रेक्टर का रजिस्ट्रेशन आवेदक किसान के नाम होना आवश्यक है।

बुजुर्ग महिला का पर्स छीनकर भागाः

अस्पताल से घर जा रही थी पीड़िता, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

द पुलिस पोस्ट

अजमेर। अजमेर में बुजुर्ग महिला से पर्स स्नेचिंग की वारदात सामने आई है। अस्पताल से घर जा रही महिला के हाथ पर झपट्टा मारकर बदमाश फरार हो गया। पर्स में महिला का मोबाइल, नगदी और अन्य डॉक्युमेंट थे। महिला की ओर से मामले की शिकायत रामगंज थाने में दी गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रामगंज थाना पुलिस के अनुसार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी अजयनगर निवासी जेठी दरवानी की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया है। महिला ने शिकायत देकर बताया कि रेलवे अस्पताल से अजयनगर अपने घर जा रही थी। उसके हाथ में काले रंग का हैंडबैग था। पैदल घर की तरफ जाते समय एक अज्ञात व्यक्ति पीछे से आया और हाथ से पर्स छीन कर भाग गया। पीड़ित महिला ने बताया कि उसके पर्स में मोबाइल, उसकी दवाइयां, नगदी और डॉक्यूमेंट थे। घटना के बाद से वह भयभीत हो गई। बुजुर्ग महिला की शिकायत पर रामगंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। जिससे कि जल्द बदमाशों को गिरफ्तार किया जा सके।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा।लि।डीएल टॉवर, 3ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, अनिल मलिक (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111